राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 359
डिजीटल
सुपर कमांडो ध्रुव
अनुपम Vinod

आज संचार तकनीक के क्षेत्र में एक जबरदस्त क्रांति आ चुकी है। आज हम इंटरनेट, फोन और टेलीविजन के दर्जनों चैनलों के जरिए कुछ भी लगभग तुरन्त ही देख और सुन सकते हैं। हर सूचना और चित्र का डिजिटलीकरण करके उसको और सुविधाजनक बना दिया गया है। अब वह दिन भी शायद दूर नहीं है जब वास्तविक और ठोस वस्तुओं का भी डिजिटलीकरण करके चीजों और जीवित वस्तुओं को कहीं पर से कहीं पर भी पहुंचाया जा सकेगा और उस दिन बन जाएगा पूरा संसार...

डिजिटल

संजय गुप्ता की पेशकश

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	सुलेख एवं रंगसज्जाः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता
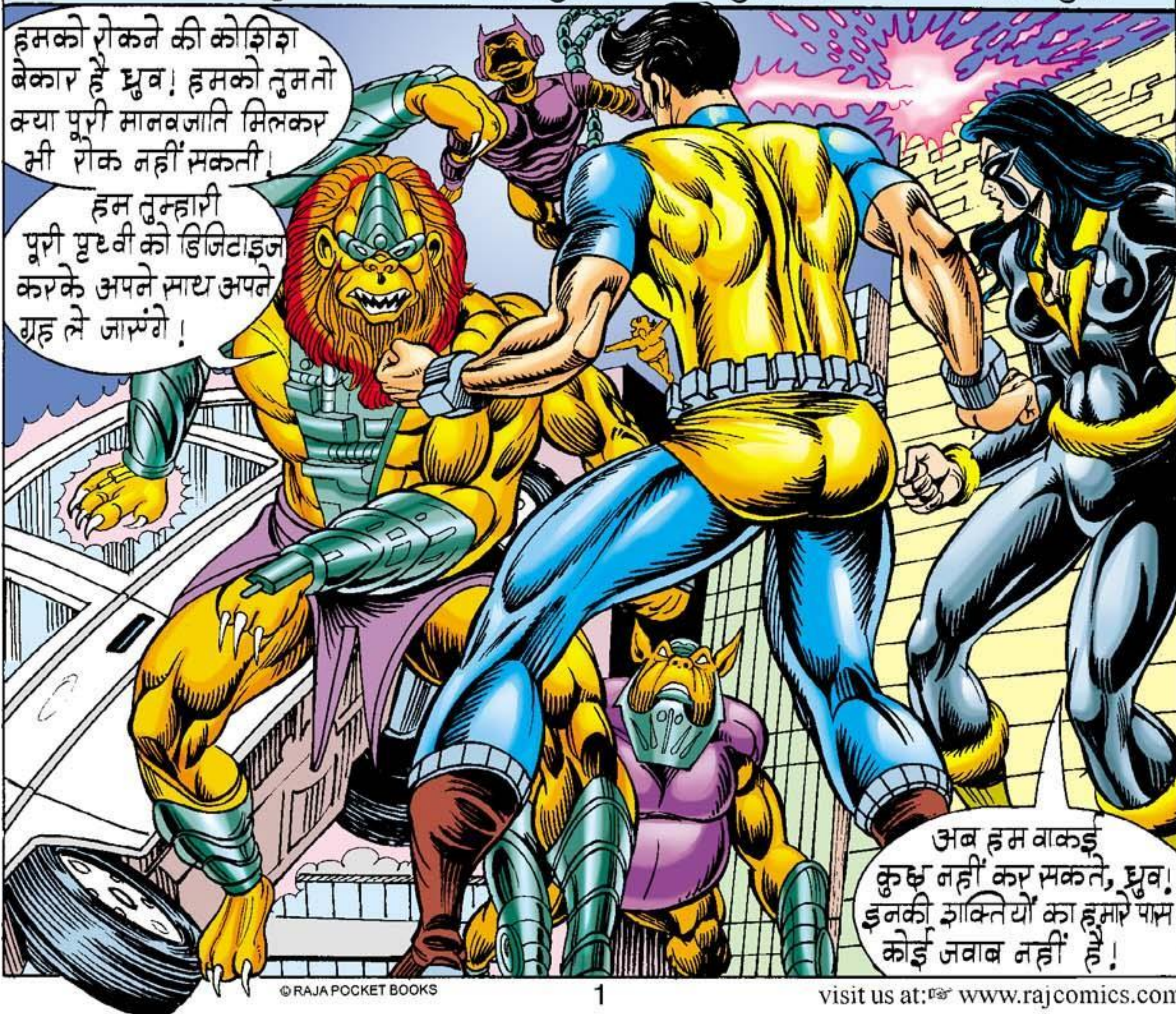
हाईपर कंप्यूटर प्लेटीनियम! ये दुनिया का सबसे एडवांस कंप्यूटर है! इसमें 'आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस' यानी 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' है! इसकी मेमोरी में दुनिया का अब तक का ज्ञात पूरा ज्ञान भरा हुआ है! इतिहास, भूगोल, गणित, विज्ञान, कला, ये सभी के बारे में सबकुछ जानता है और अपनी तर्क शक्ति के बल पर ज्ञान के हर क्षेत्र में विकास की एक नई राह दिखा सकता है! इसको हमने पूरी दुनिया के कंप्यूटरों से इंटरनेट के द्वारा जोड़ रखा है! ताकि पूरी दुनिया हमारे आविष्कार प्लेटीनियम से फायदा उठा सके!

ये सब तो हमने समझ लिया! पर ये बताइए प्रोफेसर कि ये हमारी रोजमर्रा की समस्याओं के बारे में क्या कर सकता है?

ये देशों के बीच के झगड़ों का एक तर्कपूर्ण समाधान देकर उन झगड़ों को निपटा सकता है! और तो और ये तर्क शक्ति के बल पर भविष्य तक बता सकता है!

वाह! यानी इसमें ज्योतिष का ज्ञान भी भरा हुआ है!
जरूर भरा है! लेकिन मैं ज्योतिष की नहीं, बल्कि उस भविष्य की बात कर रहा हूं जो तर्क से बताया जाता है! जैसे कि अगर आज देश में इतना उत्पादन हो रहा है तो कल हमारे देश की आर्थिक स्थिति क्या हो सकती है!
आने वाले कुछ ही दिनों में आपको इसके चमत्कार नजर आने शुरू भी हो जाएंगे!
हम सभी का मानना है कि मानव ने विज्ञान में हांलाकि काफी तरक्की कर ली है...
...लेकिन फिर भी ब्रह्मांड में ऐसे दूसरे ग्रह भी मौजूद हैं जिनका विज्ञान हमसे हजारों या शायद लाखों गुना आगे है-
?
चींईईईई
और वे परग्रहवासी समय-समय पर पृथ्वी पर आते रहते हैं-
क्यों आते हैं इसका जवाब शायद किसी के पास नहीं है!
तुम्हारे मस्तिष्क के संकेतों से तुम्हारे अपराधी होने का स्पष्ट संकेत मिल रहा है!
तुम दोनों हमारे काम के आदमी हो!
और अब तुम वही करोगे, जो हम तुमको बताएंगे!
सुनो कि तुमको क्या करना है?
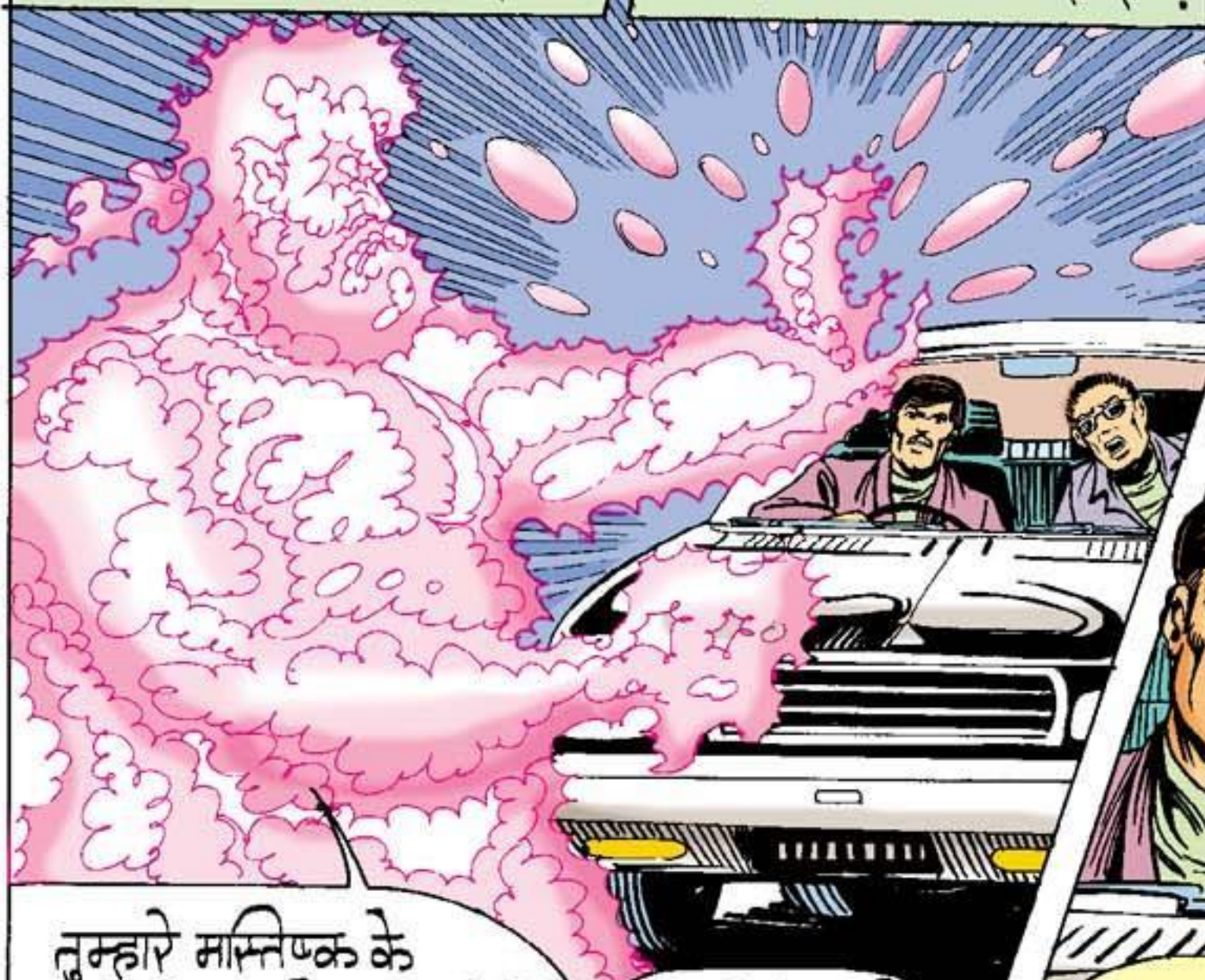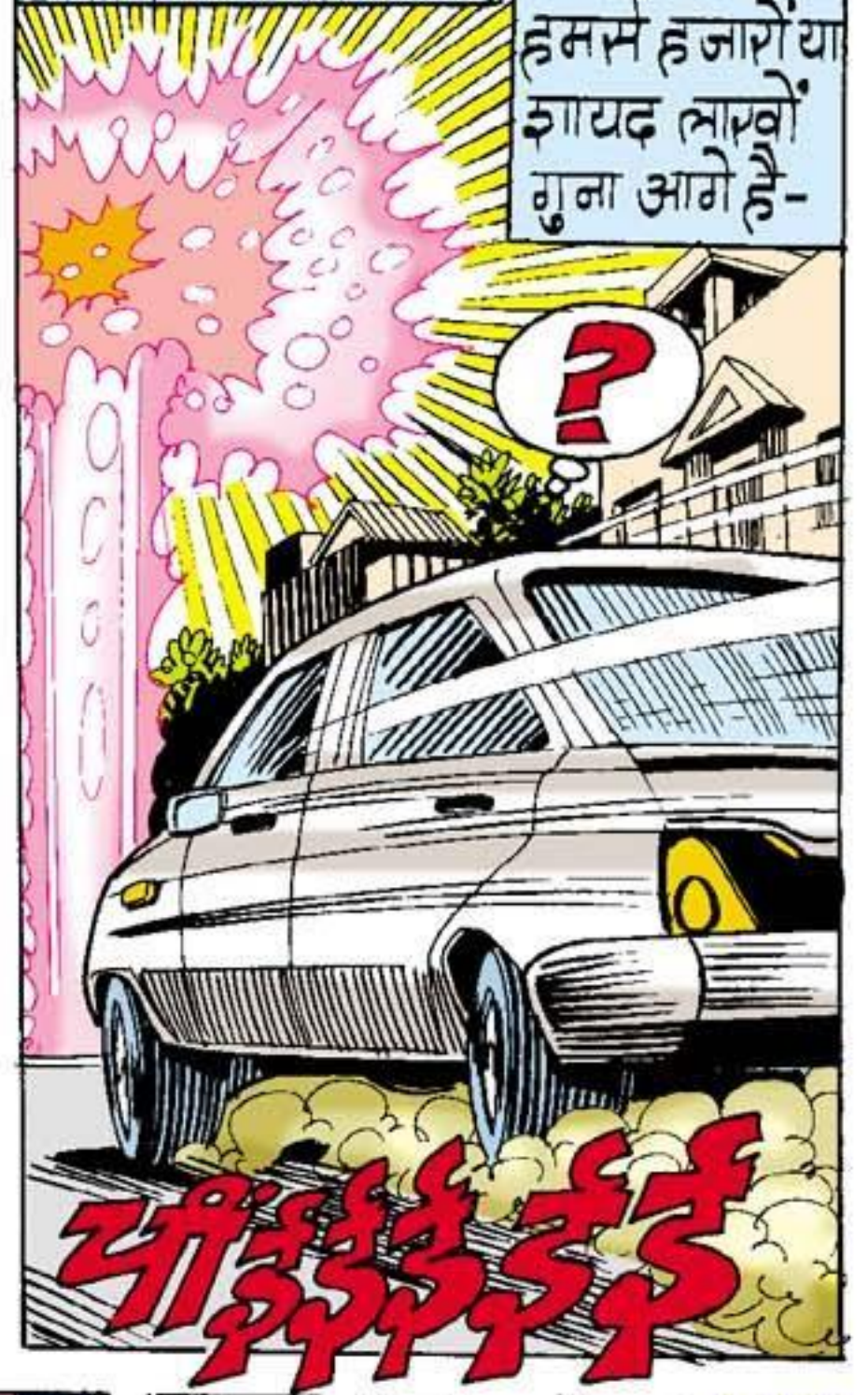
इसी वक्त- कंप्यूटर एक्सपर्ट रिचा भी जिन्दगी का एक महत्त्वपूर्ण निर्णय ले रही थी-
आज वह समय सीमा पूरी हो गई जो मैंने ब्लैक कैट के लिए तय की थी। अब तक मुझको ब्लैककैट का रूप धरने की जरूरत नहीं पड़ी, तो आगे भी नहीं पड़ेगी।
अब इस पोशाक को इसकी सही जगह पर पहुंचा देना चाहिए!
कूड़े के डिब्बे में!
और इसको कूड़े के डिब्बे में फेंकने का सबसे बढ़िया वक्त यही है! रात के बारह बजे का सन्नाटे भरा वक्त! इस वक्त कोई भी मुझको ड्रेस फेंकते नहीं देख पाएगा!
209
और सबेरे हर कोई समझ जाएगा कि...
...ब्लैक कैट मर गई!
अरे!
उधर क्या हो रहा है?

कार में दो गुंडे फुटपाथ पर सो रहे लड़के का अपहरण कर रहे हैं! और अगल बगल सोए मजदूर भी उसको बचाने का कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं! शायद वह बच्चा इनमें से किसी का भी सगा-संबंधी नहीं है!
बचाओ!
वह बच्चा एक मामूली मजदूर है! फिर ये दोनों अपराधी उसका अपहरण क्यों कर रहे हैं? ये अपराधी भी छोटे-मोटे गुंडे नहीं, बल्कि किसी गैंग के बॉस लगते हैं! खैर मुझे इससे क्या?
ये बच्चा अगर खो भी गया तो इसकी कमी किसी को भी महसूस नहीं होगी!
वैसे भी ये अपराध रोकना पुलिस का काम है! मैंने इस पचड़े में न पड़ने का निर्णय लिया है, और मुझे उस निर्णय पर कायम रहना है!
बचाओ
मैं अपना निर्णय नहीं बदलूंगी! बल्कि कैट मर चुकी है और अब वह कभी वापस नहीं आएगी!
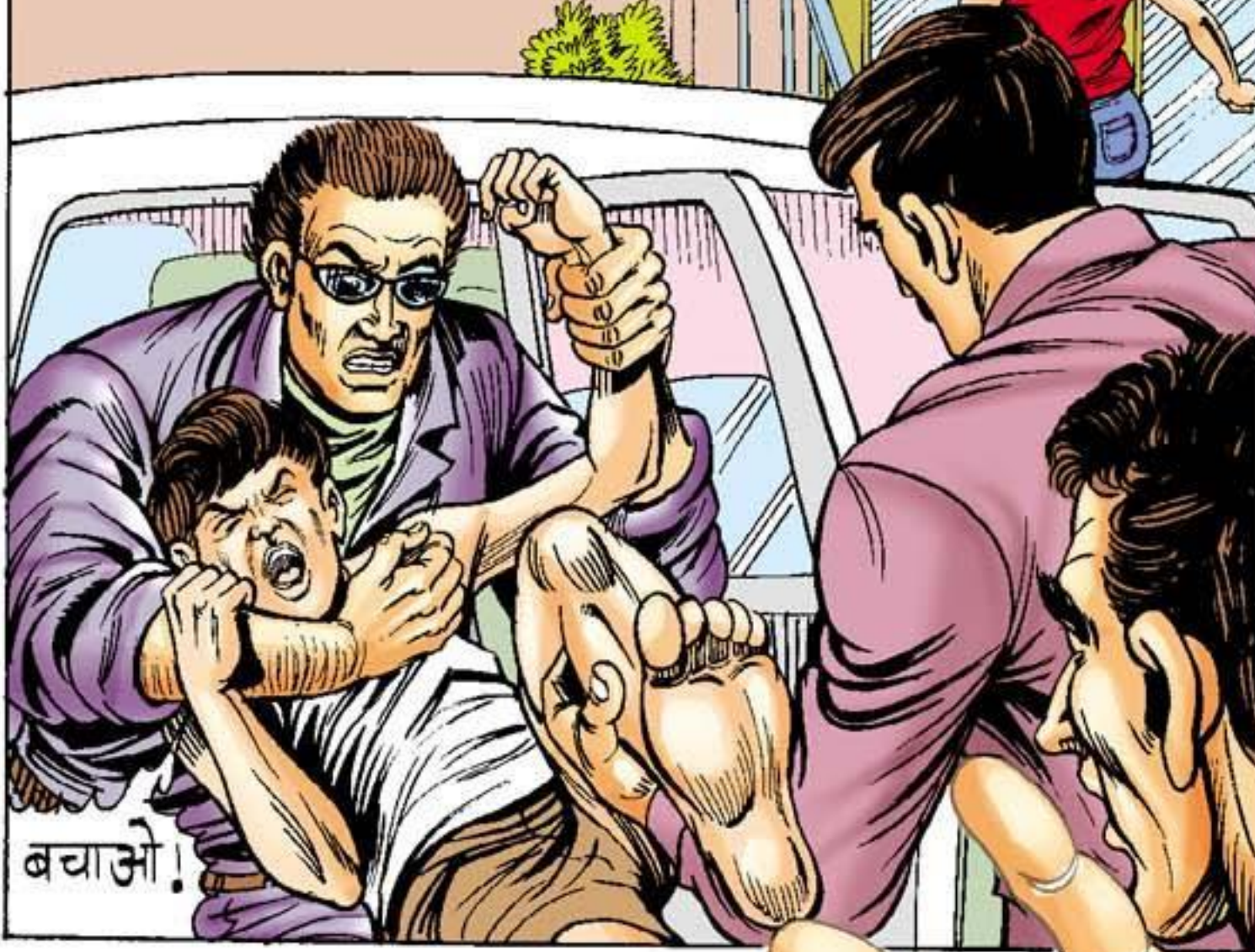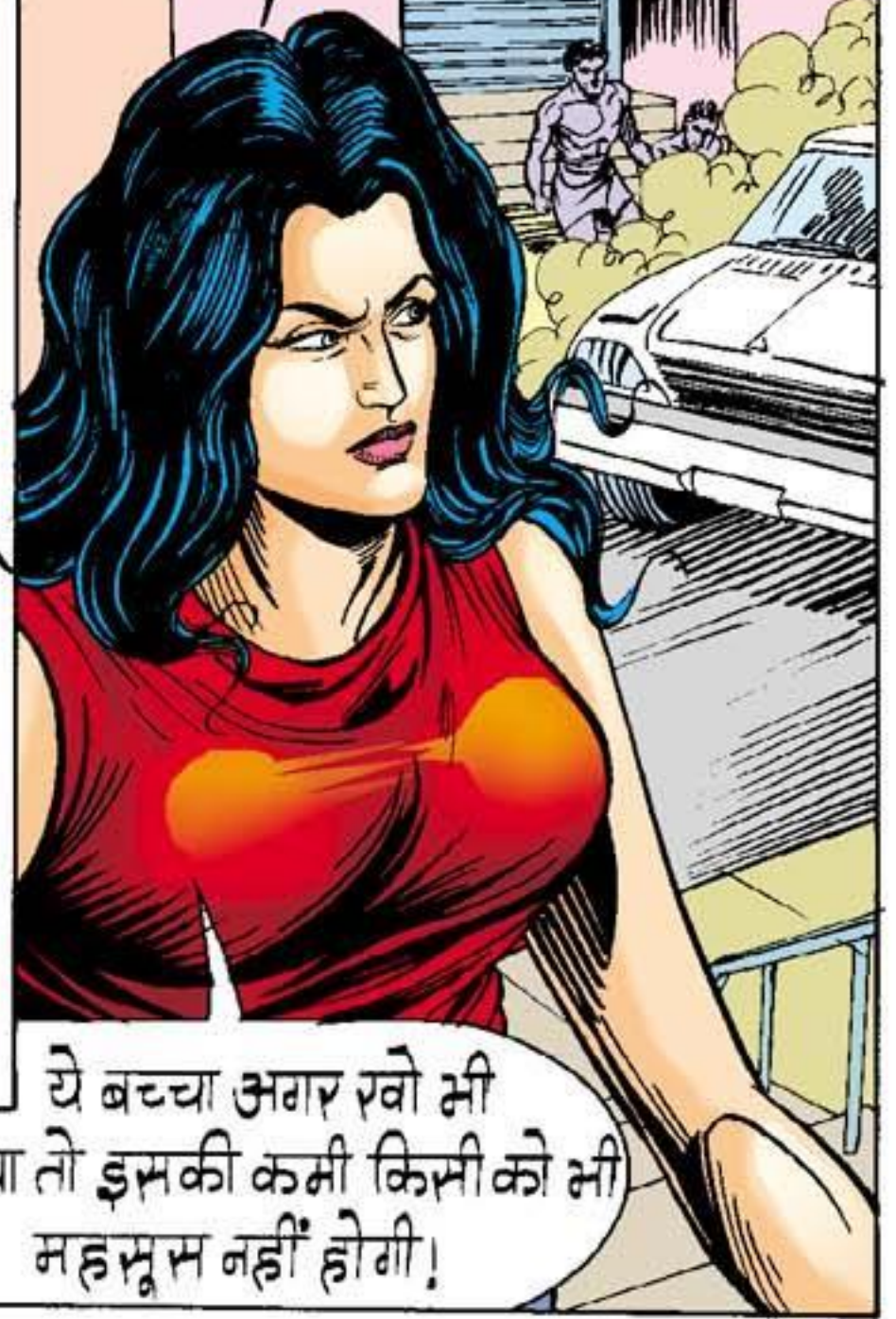
ओफ़! मैं चाहे लाख चिल्लाती रहूं...
...लेकिन मेरी सुनता कौन है!
कुछ ही पलों बाद-तेजी से दौड़ती उस कार के अंदर-
धम्म
ये कैसी आवाज थी? लगता है कि छत पर कोई है!
जो कोई भी छत पर है...
...अब वह इस दुनिया में ही नहीं रहेगा!
हमारे इस ऑपरेशन में जो भी बाधा डालेगा, वह जिन्दा नहीं बचेगा!
धांय
धांय
धांय
धांय

इन लोगों ने छत में छेद करके मेरा काम आसान कर दिया है!
अब मैं इन छेदों में अपने पंजे डालकर...
... कार की छत को आराम से फाड़ सकती हूं!
और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल सकती हूं!
उसे रोको! ये लड़का हमारे हाथ से जाना नहीं चाहिए!
फिलहाल तो अपनी जान जाने वाली है!
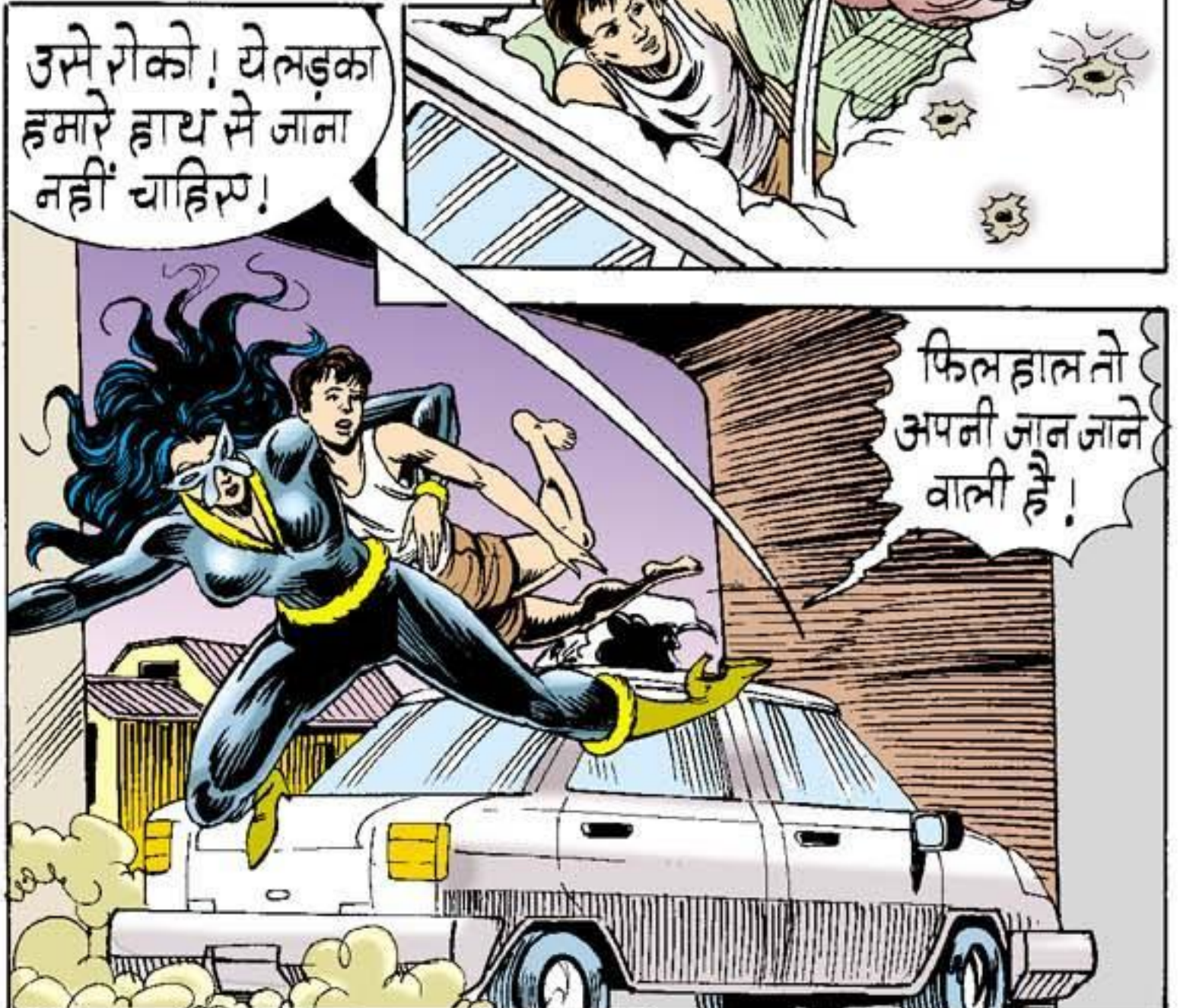
ओफ्फ! अब कार फ्लाई ओवर के खंभे से टकराएगी और इन दोनों का राम नाम सत्य हो जाएगा! मुझे कभी पता नहीं चलेगा कि ये हाई फाई गुंडे इस गरीब अनाथ का अपहरण क्यों कर रहे थे!
चींईईईई
लेकिन-
ओ माई गॉड! मेरी.. मेरी आंखें खराब हो गई हैं या मेरा दिमाग खराब हो गया है!
कार तो बगैर खंभे से टकराए उसके अंदर घुसती जा रही है!
और फिर दूसरी तरफ से निकलकर वापस हमारी तरफ आ रही है!
और... और इसकी छत अब अपने आप ठीक हो गई है!
अब हमको लड़के के साथ-साथ तुझे भी साथ लेकर जाना होगा, लड़की!
ताकि तूने अभी जो कुछ भी देखा है वह किसी और को पता न चल पाए!
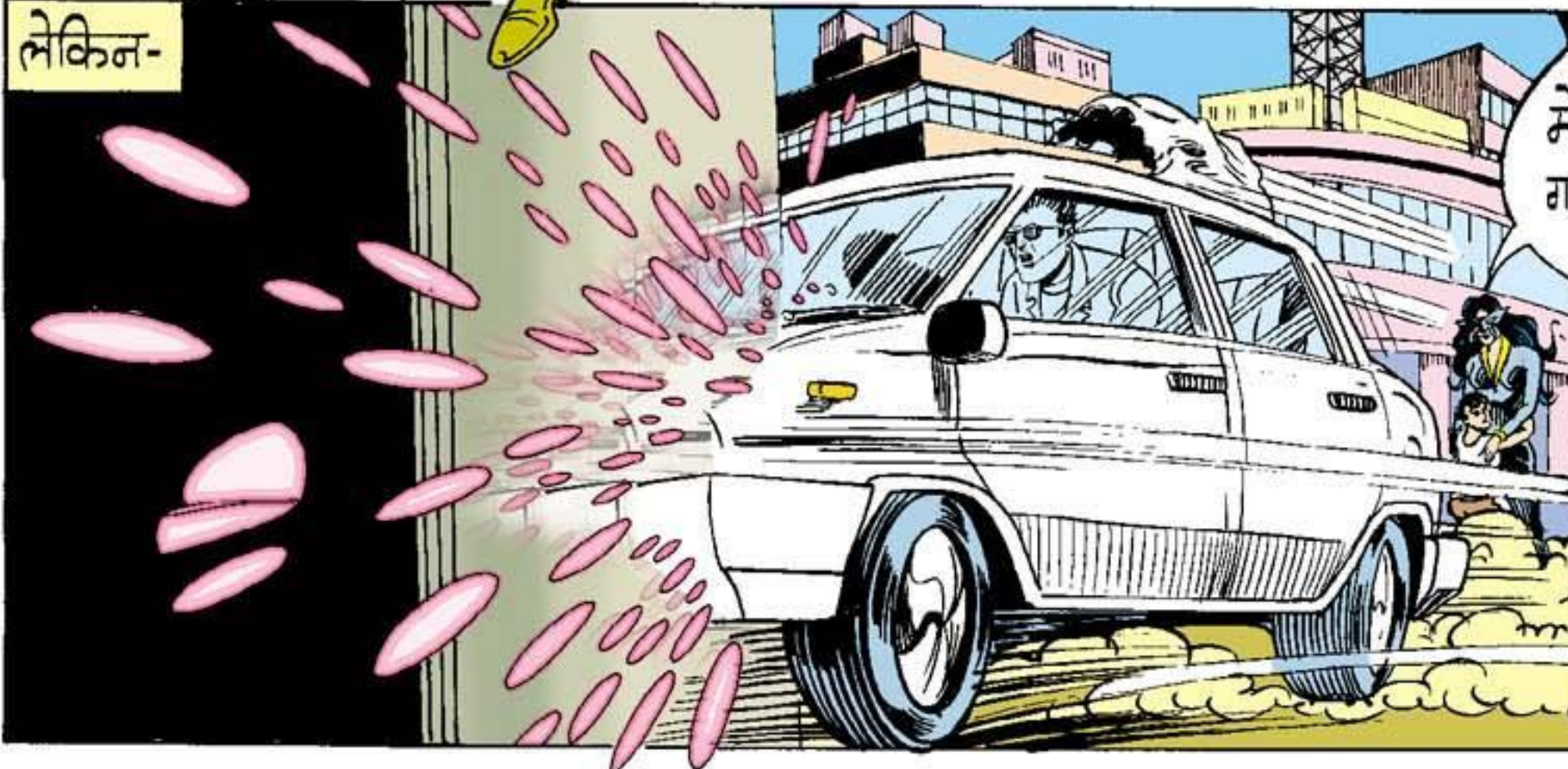
कौन हैं ये लोग? तुम्हारे पीछे क्यों पड़े हुए हैं?

मुझे नहीं पता! मैं तो भीख मांगने वाला एक अनाथ हूं! और आज तो मुझको एक पैसे भी भीख नहीं मिली है! और इनको तो मैंने आज तक देखा भी नहीं!

तुम भागो यहां से! मैं इनको रोकती हूं!

ब्लैक कैट के पंजों से नुकीले नाखूनों की बौछार निकलकर-

आगे बढ़ती कार के टायरों में जा धंसी-

लेकिन कार की रफ्तार जरा सी भी कम नहीं हुई-

ओ! मैंने तो सोचा था कि कार के टायर पंक्चर होने से कार पलट जाएगी! लेकिन ये कार तो आगे बढ़ती ही आ रही है! वह लड़का ज्यादा दूर तक भाग नहीं पाएगा! अब मुझे ही उसको बचाना पड़ेगा!

और ये कार जब तक घूमकर इस लंबे फ्लाई ओवर पर आएगी, तब तक मैं यहां पर वापस भी आ चुकी होऊंगी !
लेकिन-
ओ माई गॉड! ये... ये कार तो सीधे खंभे पर भी चढ़ती आ रही है! पर कैसे ?
आश्चर्यचकित ब्लैक कैट को संभलने का मौका ही नहीं मिला-
धड़..ाा क
और उस टक्कर ने ब्लैक कैट और लड़के दोनों को ही हवा में उछाल दिया-
दोनों के शरीर फ्लाई ओवर के ऊपर हवा में तैर गए-

होश खो चुके उन दोनों के शरीरों को जमीन से टकराने से अब कोई नहीं रोक सकता था-
सिवाय किस्मत के-
जो ध्रुव के रूप में घटना-स्थल पर आ धमकी थी-
उस लड़की और लड़के को दे दे! वर्ना बहुत बुरा अंजाम होगा तेरा!
अंजाम तो मैं तुम्हारा बुरा करने वाला हूं! मैं तुम दोनों को पहचानता हूं!...
...तुम कट्टा भाइयों के नाम से जाने जाते हो! और पुलिस को दो दर्जन कत्ल और डकैती के मामलों में तुम्हारी तलाश है!
आश्चर्य की बात तो यह है कि मुझको अच्छी तरह से जानने के बावजूद...
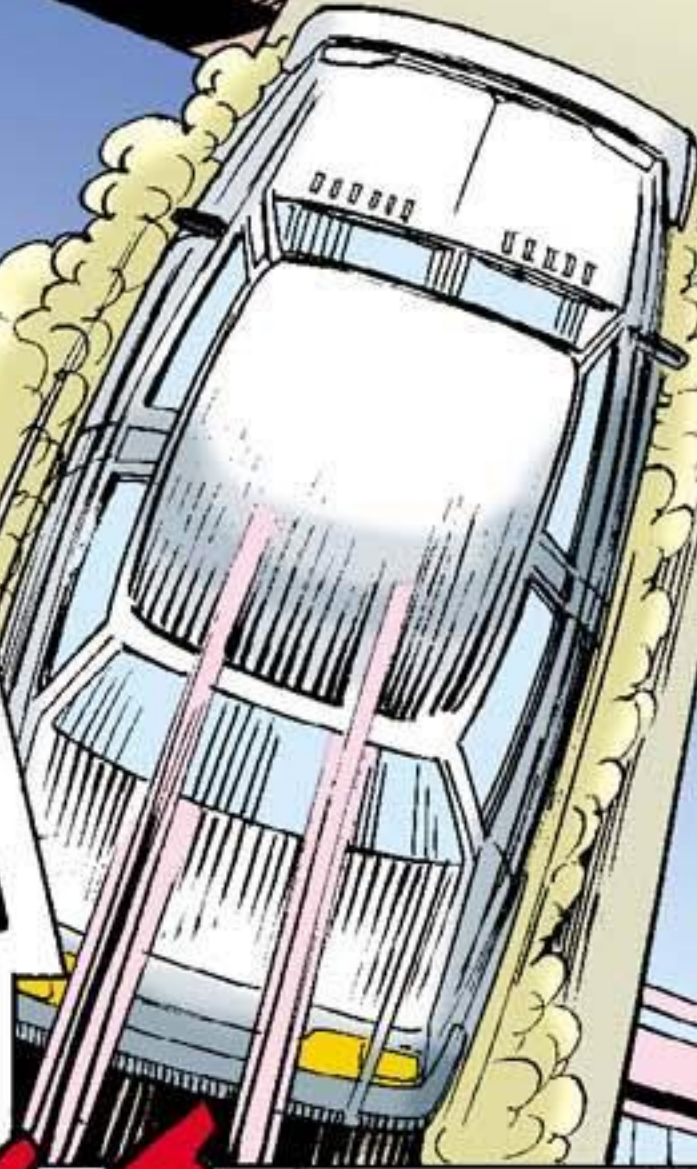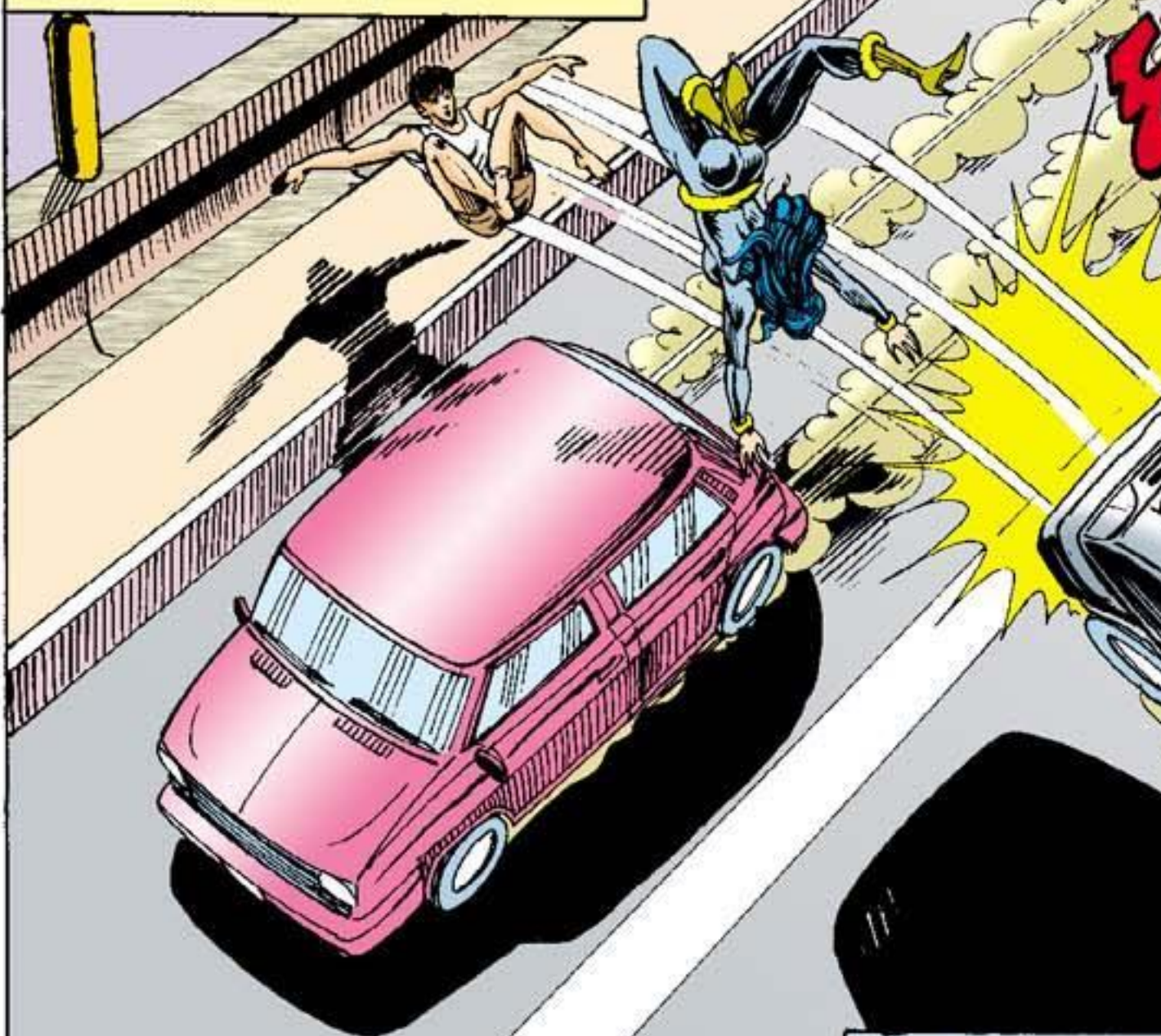
तुम मुझको न पहचानने का नाटक कर रहे हो! आsssह! ये आश्चर्यजनक शक्ति तुममें कहां से आ गई?
हमारी शक्तियां अब अनंत हैं। अब हम कुछ भी कर सकते हैं! किसी की भी जान ले सकते हैं!
ये... ये तो पैर लंबे करके उतर रहे हैं! लेकिन ये तो असंभव है!
हमने कहा न कि हम कुछ भी कर सकते हैं। उड़ भी सकते हैं और जिसको चाहें उसको उड़ा भी सकते हैं।
आsss ह!
ये तो ऊर्जा के तेज झटके दे रहा है!
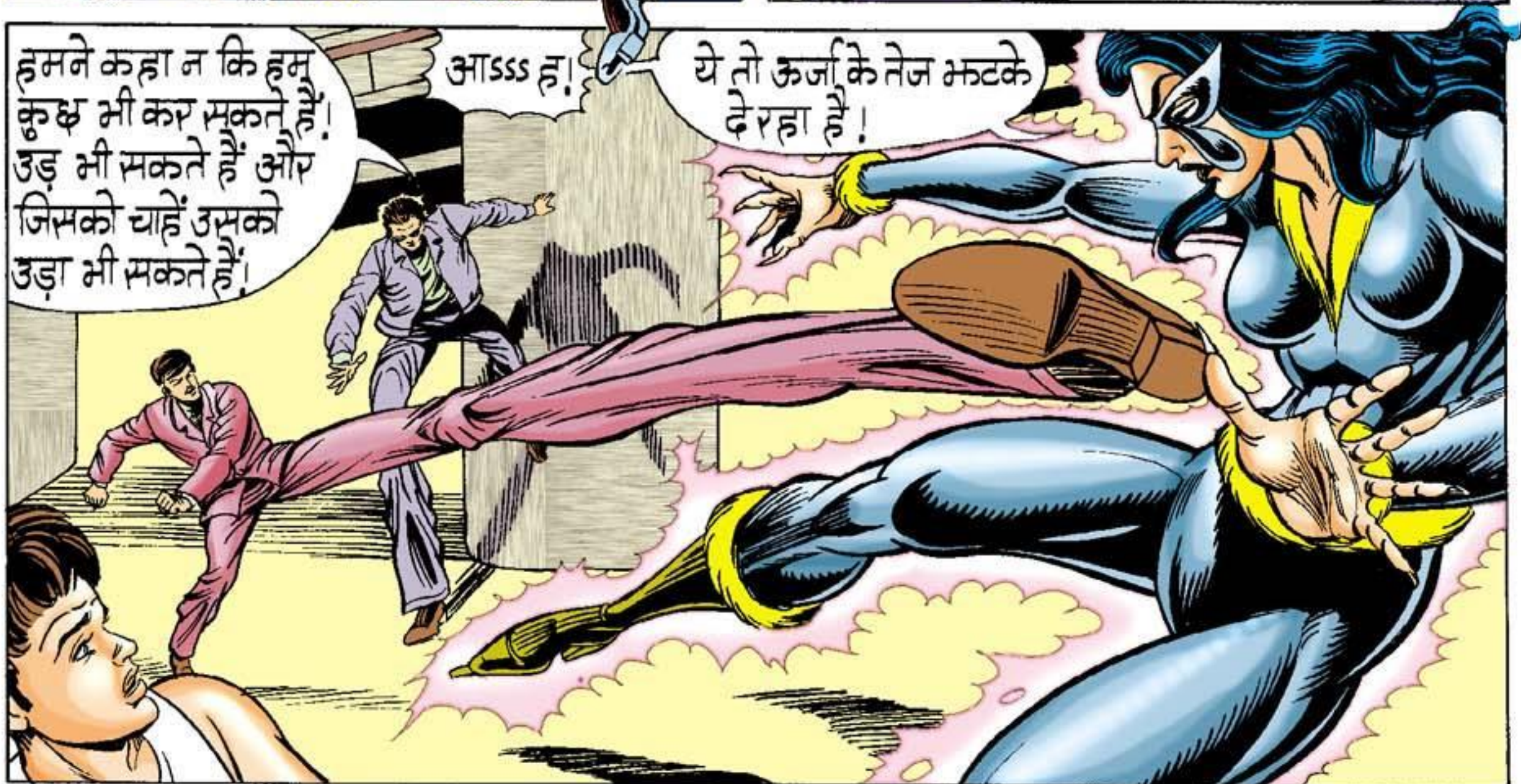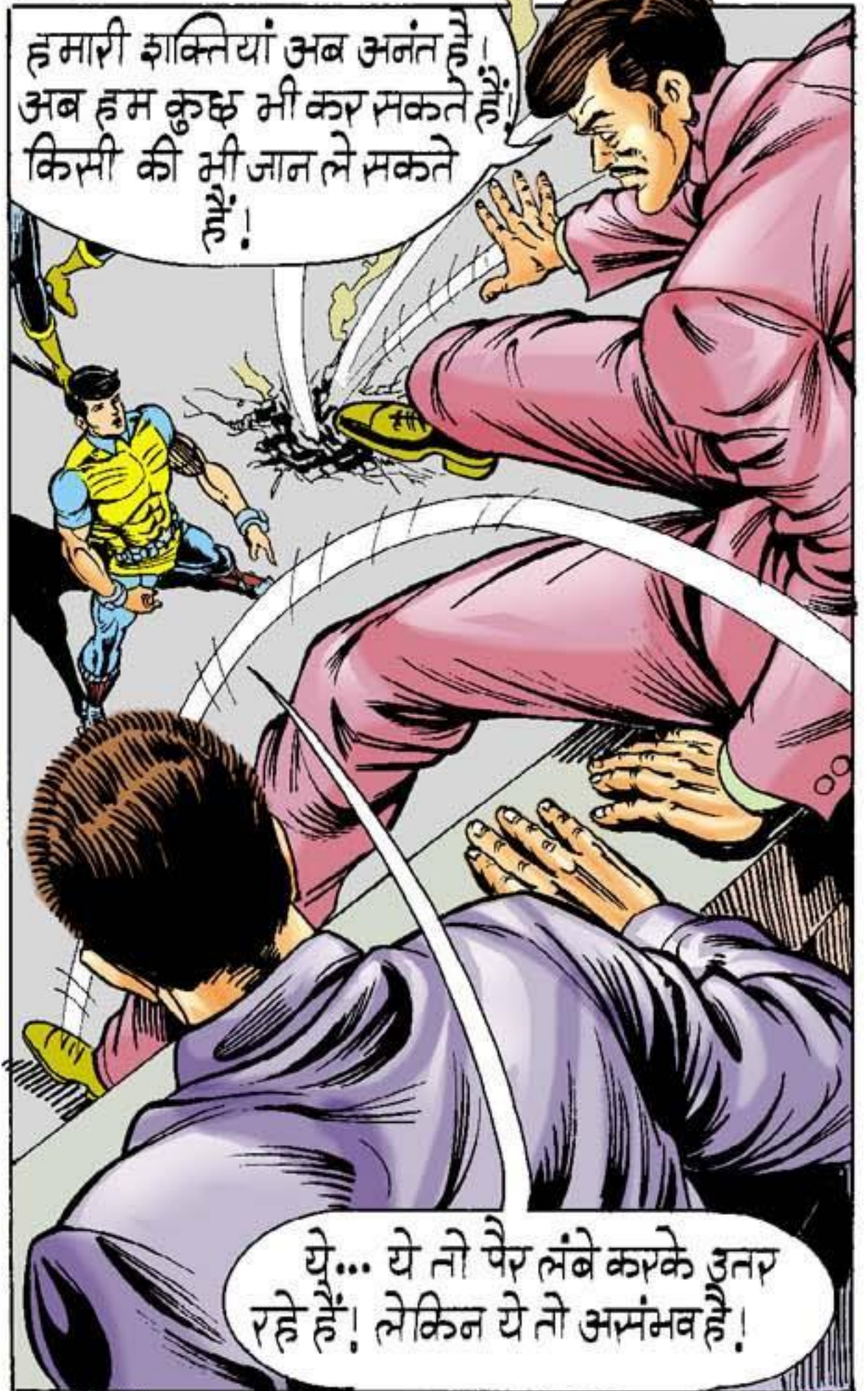
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! ये शक्तियां तो इनके पास थीं ही नहीं! फिर ये... आSSSह!
मेरी किक इसके अंदर तक घुस गई! और मुझको तेज झटका भी लगा है! फिर भी इसका कुछ नहीं बिगड़ा!
तू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता! हम जो काम करने आए हैं वह करके ही जाएंगे! और साथ ही साथ तेरी जान भी ले जाएंगे!
लेकिन पहले इस लड़के को ले जाने का काम पूरा करेंगे!
फिर तेरी बारी आएगी!
यहां से कुछ भी ले जा पाना तो दूर, तुम दोनों खुद भी नहीं जा पाओगे!
तेरी हिम्मत भी कमाल की है! तू जानता है कि तू हमसे जीतना तो दूर, बच तक नहीं सकता!...
...लेकिन फिर भी हमको धमकी देकर डराने की कोशिश कर रहा है!
ये सही कर रहा है ध्रुव...

इनकी शक्तियों का हमारे पास कोई जवाब नहीं है!
नहीं ब्लैक कैट! हर ताकत को बैलेंस करने के लिए एक न एक कम-जोरी जरूर होती है...

... और अगर मैं ठीक समझ रहा हूं तो इनकी कमजोरी का पता मुझको चल चुका है!
बस मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि उस कमजोरी का फायदा मैं कैसे उठाऊं!
ओ! मिल गया एक रास्ता!

यहां आने से ठीक पहले मैं अपनी मोटर साइकल के हैंडल और रिम पर लगाने के लिए 'हार्ड वार्निश' लेकर आया था! शायद उस वार्निश स्प्रे से काम बन जाए!

ओ! सिर्फ तू ही नहीं, हम भी जानते हैं कि वार्निश की पर्त ज्वलनशील होती है। तू हमको जलाना चाहता है! चल ये इच्छा भी पूरी करके देख ले!
हमको आग तो क्या कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता है!
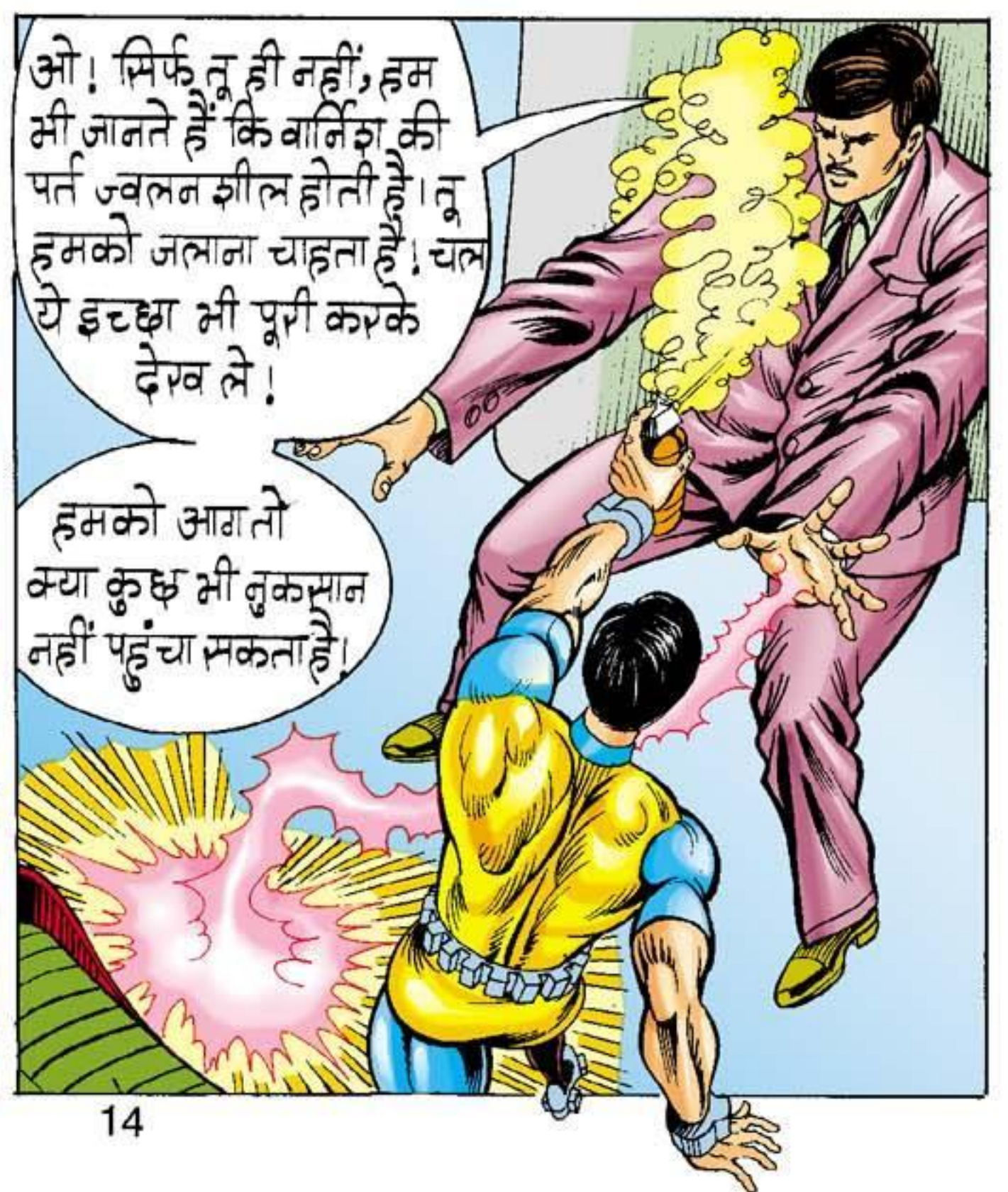
... पर तुमको मैं आराम से साफ कर सकता हूं! देख कि आग कैसे लगती है!
अरे! मेरे... मेरे हाथ से आग क्यों नहीं निकल रही है!
यह तो मैं भी नहीं जानता! मैंने तो तुम पर मेनहोल का ढक्कन फेंकते वक्त सिर्फ इतना देखा था कि तुम्हारे हवा में उड़ते ही, जमीन से जैसे ही तुम्हारा संपर्क टूटा वैसे ही तुम्हारे हाथ से किरण निक-लनी बंद हो गई!
धड़ाक
मैंने वार्निश की पर्त से तुम्हारे शरीर को ढककर जमीन से तुम्हारा संपर्क काट दिया है! अब मेरा वार होश की दुनिया से तुम्हारा संपर्क काट देगा!

अच्छा किया कि तूने अपनी चाल को खुद ही बक दिया! अब ये चाल मुझ पर नहीं चलेगी!
आऽऽऽह! तुम्हारी चाल तो पिट गई ध्रुव! अब इस दूसरी मुसीबत से कैसे निपटोगे?
कुछ समझ में नहीं आ रहा है ब्लैककैट! धरती से संपर्क होने से इनको भला ऊर्जा कैसे मिल रही है?...
जमीन में ऐसी कौन सी ऊर्जा होती है जो इतनी घातक हो? मुझे तो ऐसी किसी ऊर्जा की कोई जानकारी नहीं है!
समझ गया ब्लैक कैट! वह ऊर्जा है जमीन में दबे अंडरग्राउंड हाई वोल्टेज केबल! ये जरूर वहीं से ऊर्जा खींच रहे हैं!
तो अब हम क्या करें? जमीन खोदें? इतना समय हमारे पास नहीं है!
उसकी जरूरत नहीं है ब्लैककैट! केबल कहीं न कहीं तो जमीन से बाहर आते ही हैं!
और यहां पर केबल उस ट्रांसफॉर्मर में से जमीन के अंदर जा रहे हैं!
अगर मेरा ख्याल सही है तो...

कहानी 19 पेज से जारी

ट्रांसफॉर्मर के तारों को 'शॉर्ट सर्किट' करने से जो फॉल्ट पैदा होगा...
...वह इस पूरे एरिया की बिजली गुल कर देगा!... और अंडरग्राउंड केबलों में बह रहा विद्युत प्रवाह भी ठप्प हो जाएगा!
और ऐसा होने से...
...इसको मिलने वाली ऊर्जा भी खत्म हो जाएगी!
धड़ाक
ये लड़का बहुत चालाक है! जिस काम में एक नैनो सेकंड भी नहीं लगना चाहिए था, उसमें इसके कारण कई मिनट लग चुके हैं, और उससे भी खराब बात तो यह है कि मेरे दोनों मोहरे पिट चुके हैं!
लेकिन यह छोटा मानव तो मुझको साथ ले ही जाना है!
वर्ना मुझको अपनी शक्तियां फैलाने का मौका कैसे मिलेगा?
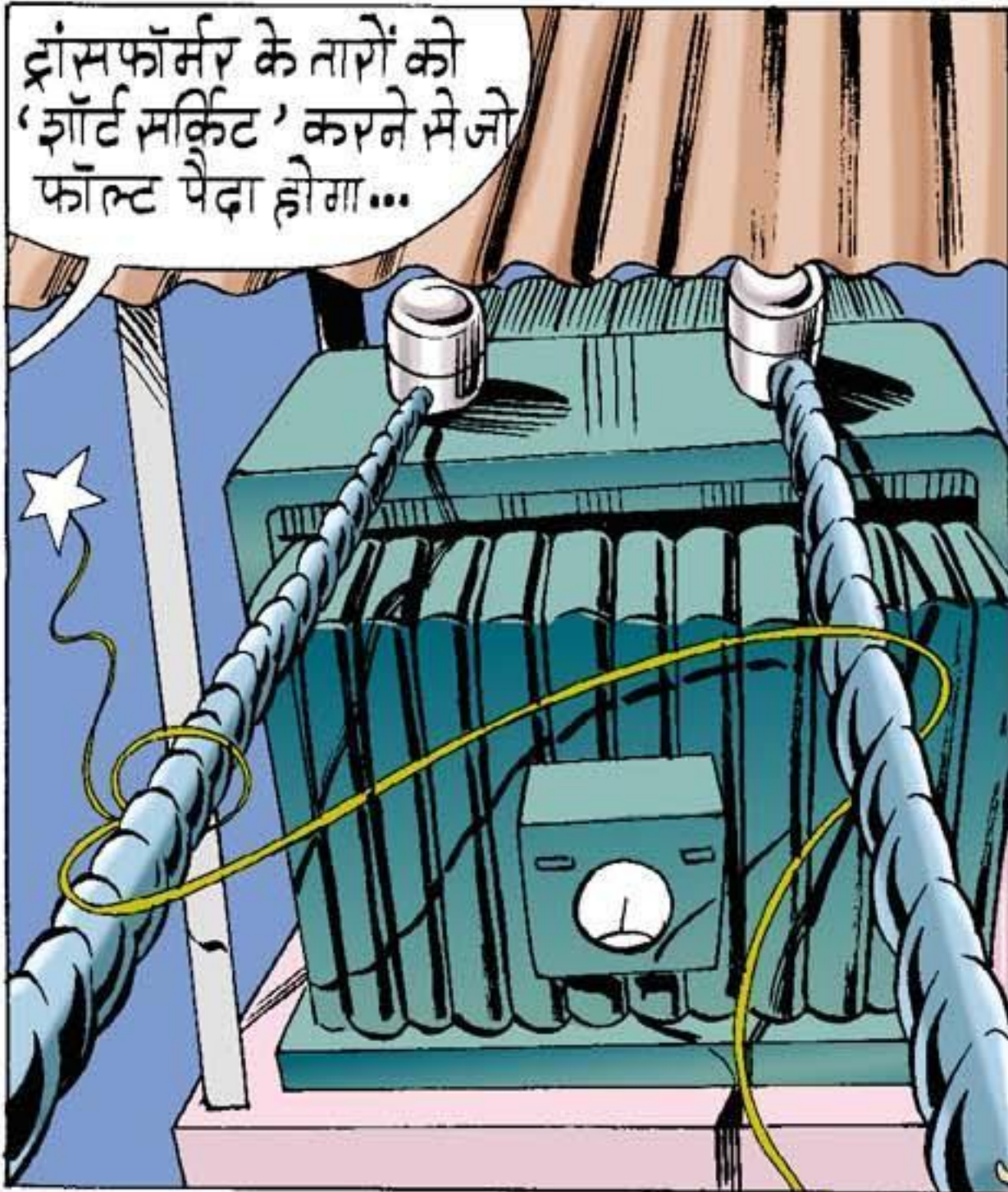
अच्छा हुआ कि मैंने इस वाहन के 'ऊर्जा संचय यंत्रों' में अपनी ऊर्जा संचित करके रख ली थी! अब इसी की मदद से मैं अपना काम पूरा करूंगा!
समस्या बस यही है कि इतनी थोड़ी सी ऊर्जा की मदद से मैं एक ही नमूने को अपने साथ ले जा सकता हूं! खैर मैं फिर वापस आऊंगा!
और सिर्फ इनको ही नहीं, सारी दुनिया को अपने साथ ले जाऊंगा!
ध्रुव देखो! उड़नतश्तरी!
उड़न तश्तरी! और... और उसके अंदर से एक किरण निकलकर इस लड़के को ऊर्जा रूप में बदलकर ऊपर खींच रही है!
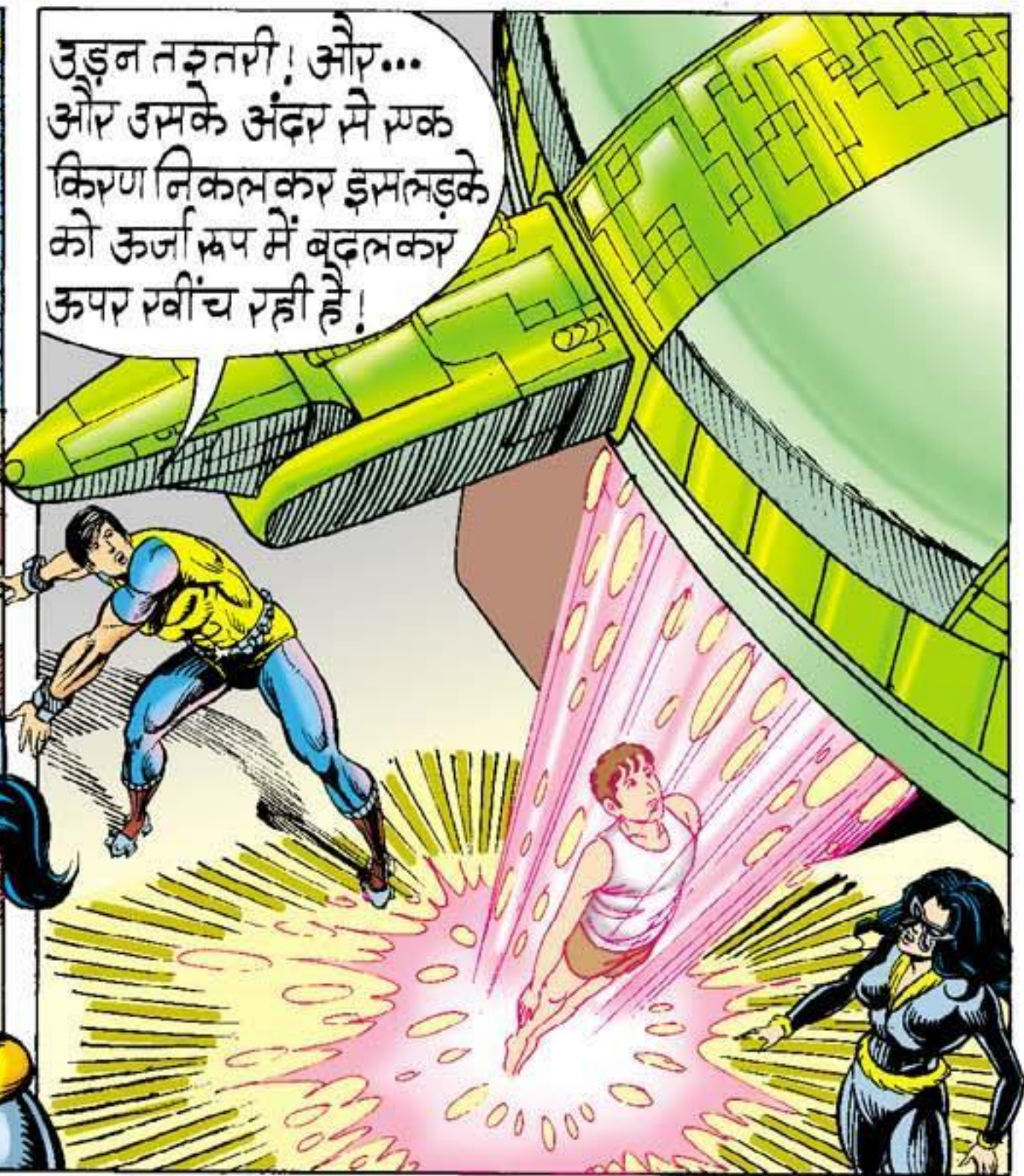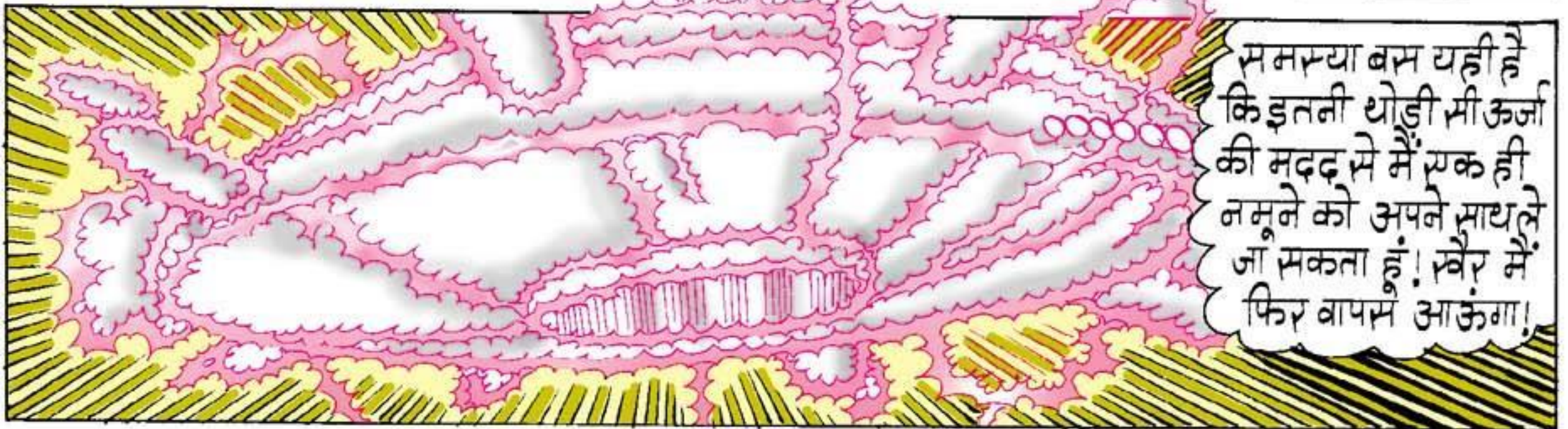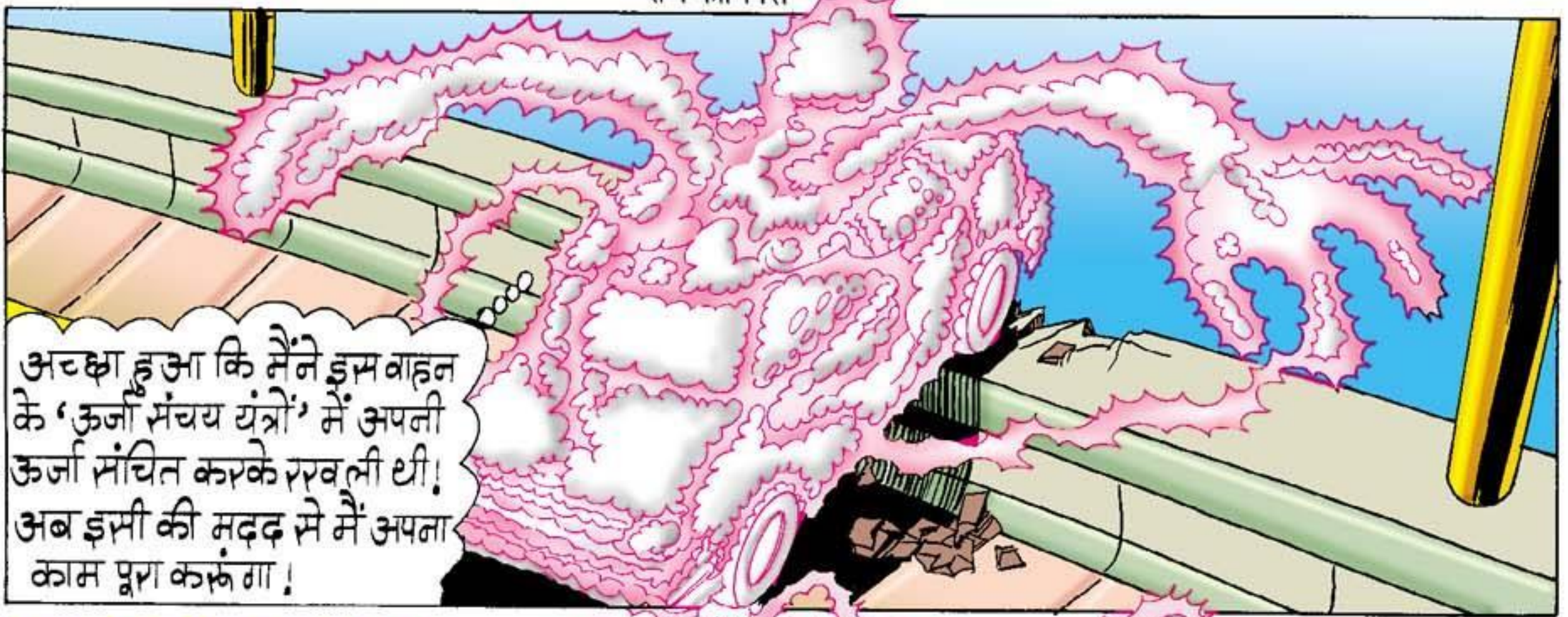
ध्रुव और ब्लैक कैट के देखते ही देखते उड़नतश्तरी उस लड़के के साथ तेजी से काले आकाश की तरफ बढ़ी-
और सितारों के बीच में घुल-मिल गई-
इतनी तेज गति! देखकर भी यकीन नहीं होता! अब तक तो उड़नतश्तरियों के बारे में सिर्फ सुना था! आज अपनी आंखों से देख भी लिया! लेकिन कुछ समझ में अभी भी नहीं आया!
क्या ये उड़नतश्तरी दूसरे किसी ग्रह से पृथ्वी पर एक भिखारी बच्चे को उठाने के लिए आई थी?
आश्चर्य की बात यह है कि इतनी सी बात के लिए इनको पूरा प्लान बनाना पड़ा! दो मामूली गुंडों को आश्चर्यजनक शक्तियां देनी पड़ीं! जबकि ये काम तो ये खुद आराम से कर सकते थे!
खैर! अब हम कुछ नहीं कर सकते हैं! पर ये तो बताओ कि इतने दिनों के बाद ब्लैक कैट को राजनगर की सड़कों पर उतरने की क्या जरूरत आ पड़ी!
लेकिन तुम ऐन वक्त पर मेरी जान बचाने के लिए कैसे आ पहुंचे?
उस लड़के का अपहरण मेरी आंखों के सामने हो रहा था! और ब्लैक कैट किसी पर अत्याचार होते देख नहीं सकती!
एक चिड़िया ने मुझको यहां पर हो रही गड़बड़ी के बारे में बताया था! अब चलो, हमको इस अपहरण की रिपोर्ट पास के थाने में लिखवानी है!
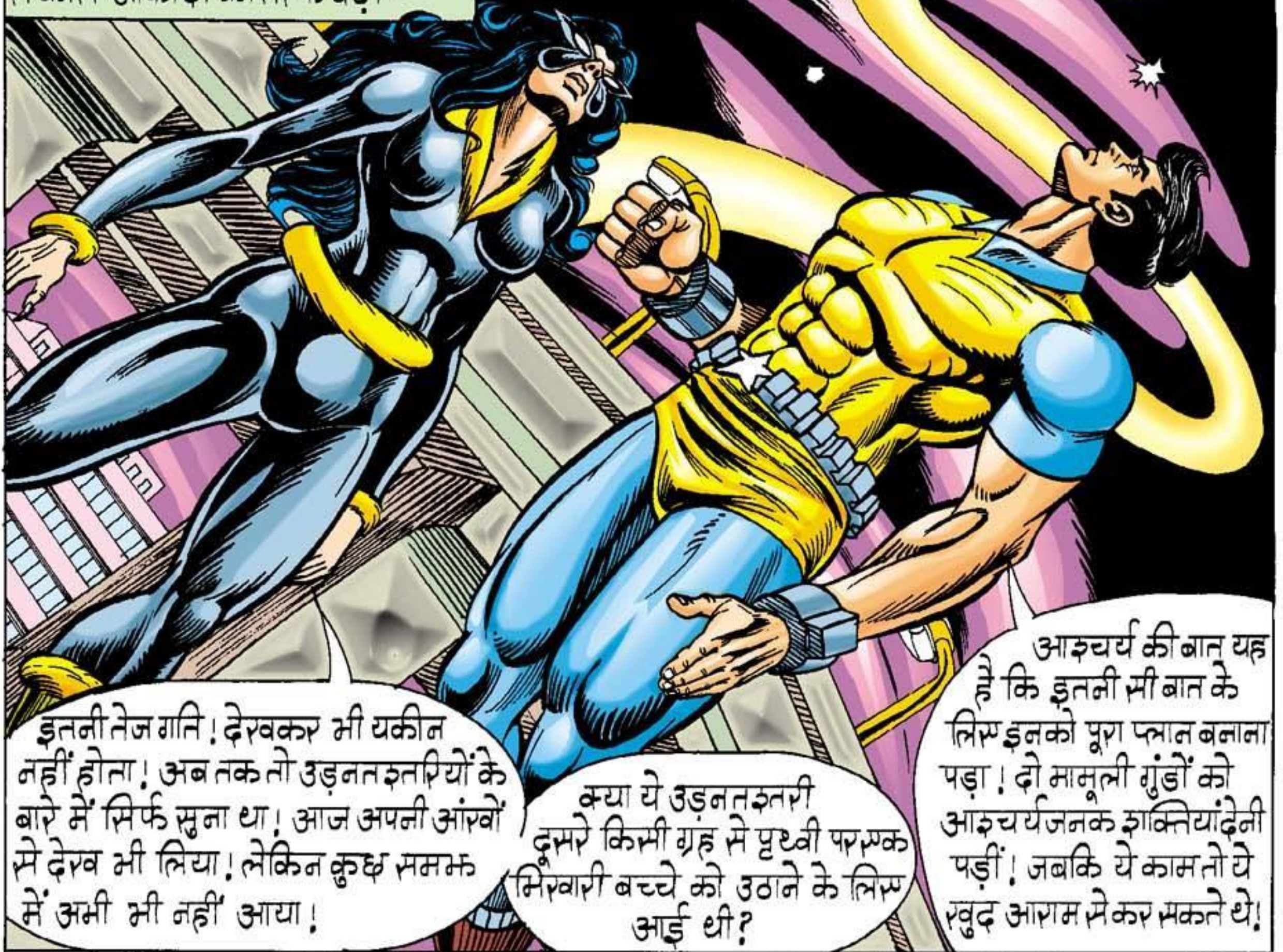
और साथ ही साथ इन दोनों गुंडों को अस्पताल भी पहुंचाना है! शायद इनसे हमको इस रहस्य को सुलझाने के लिए कोई सुबूत मिल सके!

और फिर- पुलिस स्टेशन में-
हाहाहा हाहाहा!
आप हंस क्यों रहे हैं इंस्पेक्टर?

माफ करना ध्रुव! दरअसल आज तक मेरे पास कभी भिखारी के अपहरण की रिपोर्ट लिखवाने कोई नहीं आया है! और वह भी तब जब उसका अपहरण किसी उड़नतश्तरी ने किया हो!
आपका मतलब है कि मेरा दिमाग चल गया है?
नहीं, नहीं! हमको तुम्हारी बात पर पूरा यकीन है!

लेकिन भिखारियों और फुटपाथ पर रहने वालों के अपहरण पर ध्यान ही कौन देता है? आज तक न जाने ऐसे कितने अपहरण हो गए होंगे! लेकिन रिपोर्ट लिखवाने कोई नहीं आया! मेरे ख्याल से तो वे गुंडे इस लड़के को अपने गैंग में जबरन भर्ती के लिए पकड़ रहे होंगे!
आपने मेरे एक बहुत बड़े सवाल का जवाब दे दिया है इंस्पेक्टर! अब आप रिपोर्ट लिखिए और मैं अस्पताल जाकर उन गुंडों का हाल चाल पूछता हूं!

तुमको किस सवाल का जवाब मिल गया है ध्रुव ?
इस सवाल का कि एक उड़नतश्तरी एक भिखारी बच्चे को क्यों उठाने आई थी! इसका कारण यह था कि न तो इस घटना पर कोई ध्यान देने वाला था और न ही इस घटना की कोई छानबीन होनी थी!
रिपोर्ट
समझी! यानी ऐसे इंसान का अपहरण किया गया, जिसका अपहरण किसी का ध्यान न खींच सके! वे परग्रही जो भी काम कर रहे हैं, वे चुपचाप करना चाहते हैं!
हां, ब्लैककैट! मुझे पूरा यकीन है कि ऐसे और भी अपहरण पहले हो चुके हैं और हमको उनकी भनक तक नहीं है!
आओ, शायद इस गुत्थी को हम कट्टा भाइयों की मदद से सुलझा सकें!
अस्पताल में-
इन पर हमारी कोई दवाई या कोई दूसरी चिकित्सा असर नहीं कर रही है! हमने इनके पूरे शरीर का थ्रीडी-स्कैन कराया है! उससे ऐसा प्रतीत होता है जैसे इनके शरीरों की कोशिकाएं अलग-अलग हो गई हों! हर कोशिका एक स्वतंत्र वस्तु हो गई है!
आपके ख्याल से क्या ऐसा कर सकने की हमारे पास कोई तकनीक है?
नहीं ध्रुव! जहां तक मुझे पता है ऐसा कर सकने की तकनीक पूरी पृथ्वी पर कहीं नहीं है!
और निकट भविष्य में ऐसी तकनीक ईजाद कर पाना भी मुश्किल लगता है!

इनको होश में आने में कितना वक्त लग सकता है?
जब कोई दवाई इन पर असर ही नहीं कर रही है तो यह कहना मुश्किल है कि इनको होश कब आएगा!
ठीक है डॉक्टर! जब ये होश में आ जाएं तो आप कृपया मुझ तक खबर पहुंचा दीजिएगा!
और फिर-
अगर ये काम सचमुच दूसरे ग्रह वालों का है तो आखिर वे ये अपहरण करके चाहते क्या हैं?
कह नहीं सकता! वैसे गुमनाम इंसानों को उठाने का तो एक ही मकसद हो सकता है...
...और वह मकसद है इंसानों पर टेस्टिंग करना! उनकी क्षमता को परखना! ताकि वे ये समझ सकें कि जब वे हम पर हमला करेंगे तो हम उनका किस हद तक प्रतिरोध कर सकते हैं!
ये सिर्फ मेरा अंदाजा है! वैसे भी उनका असली मकसद हमको जल्दी ही पता चल जाएगा!
पृथ्वीवासियों के पास सचमुच ज्यादा वक्त नहीं था-
मुसीबत, सिर पर मंडराने लगी थी-
ये... ये सामने क्या चमक रहा है? बिना हैडलाइट की गाड़ियां तो बहुत देखी हैं...
...लेकिन बगैर गाड़ी के हैडलाइट पहली बार देख रहा हूं!
ये... ये रोशनी देने वाली नहीं, बल्कि बत्ती गुल करने वाली चीज लग रही है! पर... पर ये एकाएक हवा में से कैसे प्रकट हो गया?
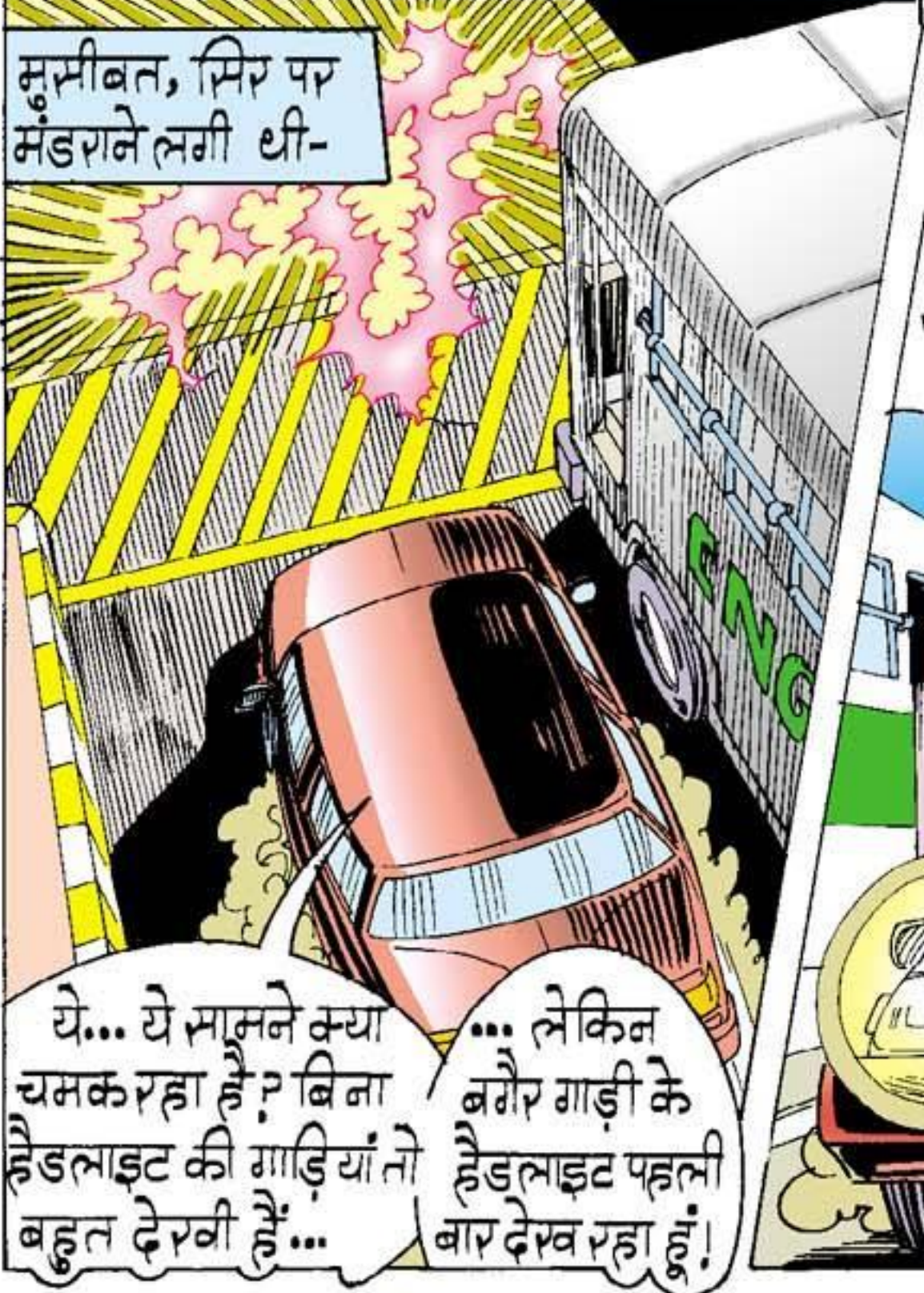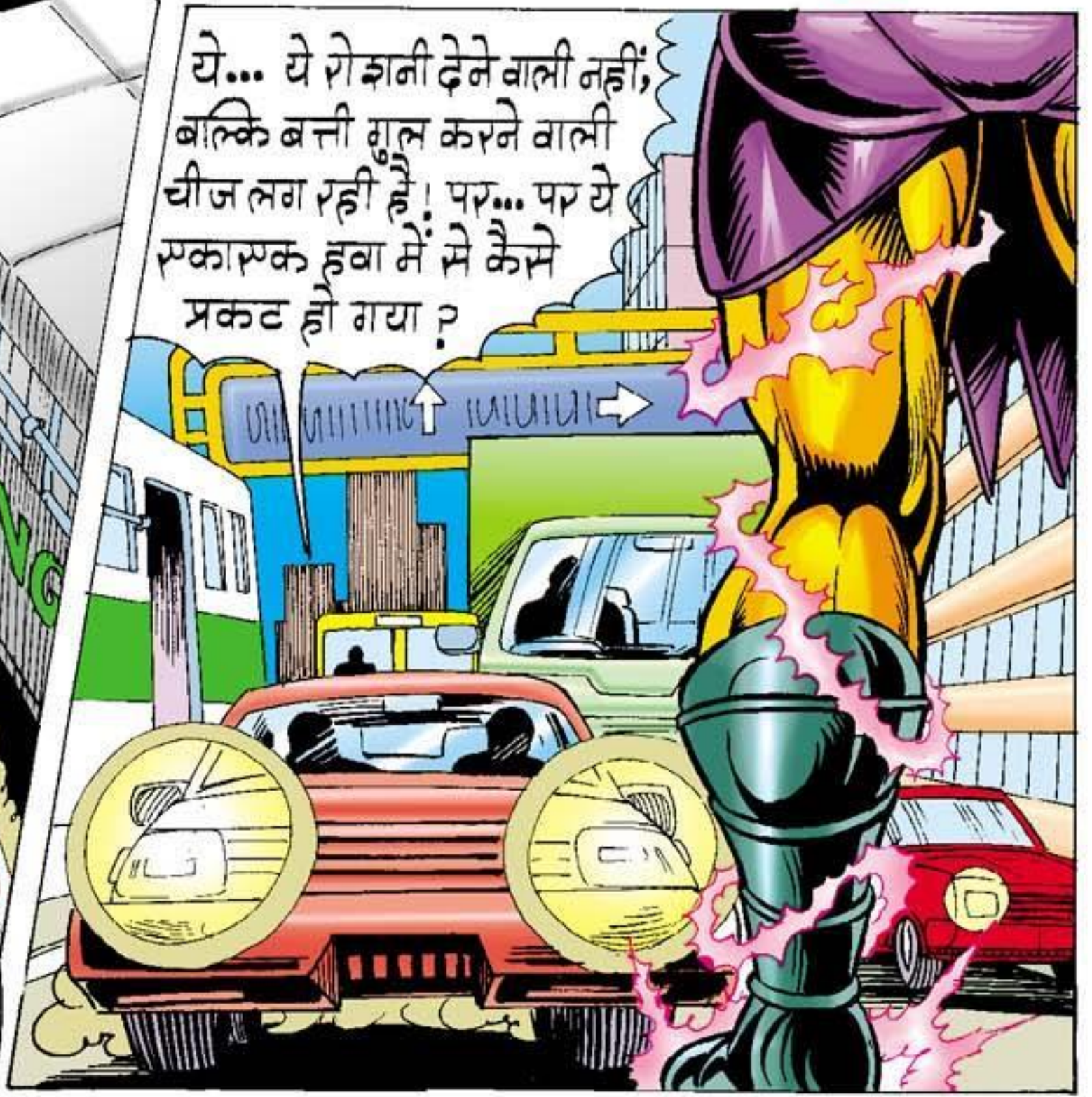
मैं 'बाईट' हूं! और मैं तुम सबको और तुम्हारी पूरी सृष्टि को साथ ले जाने के लिए आया हूं! अपने ग्रह पुझारव के म्यूजियम में रखने के लिए!
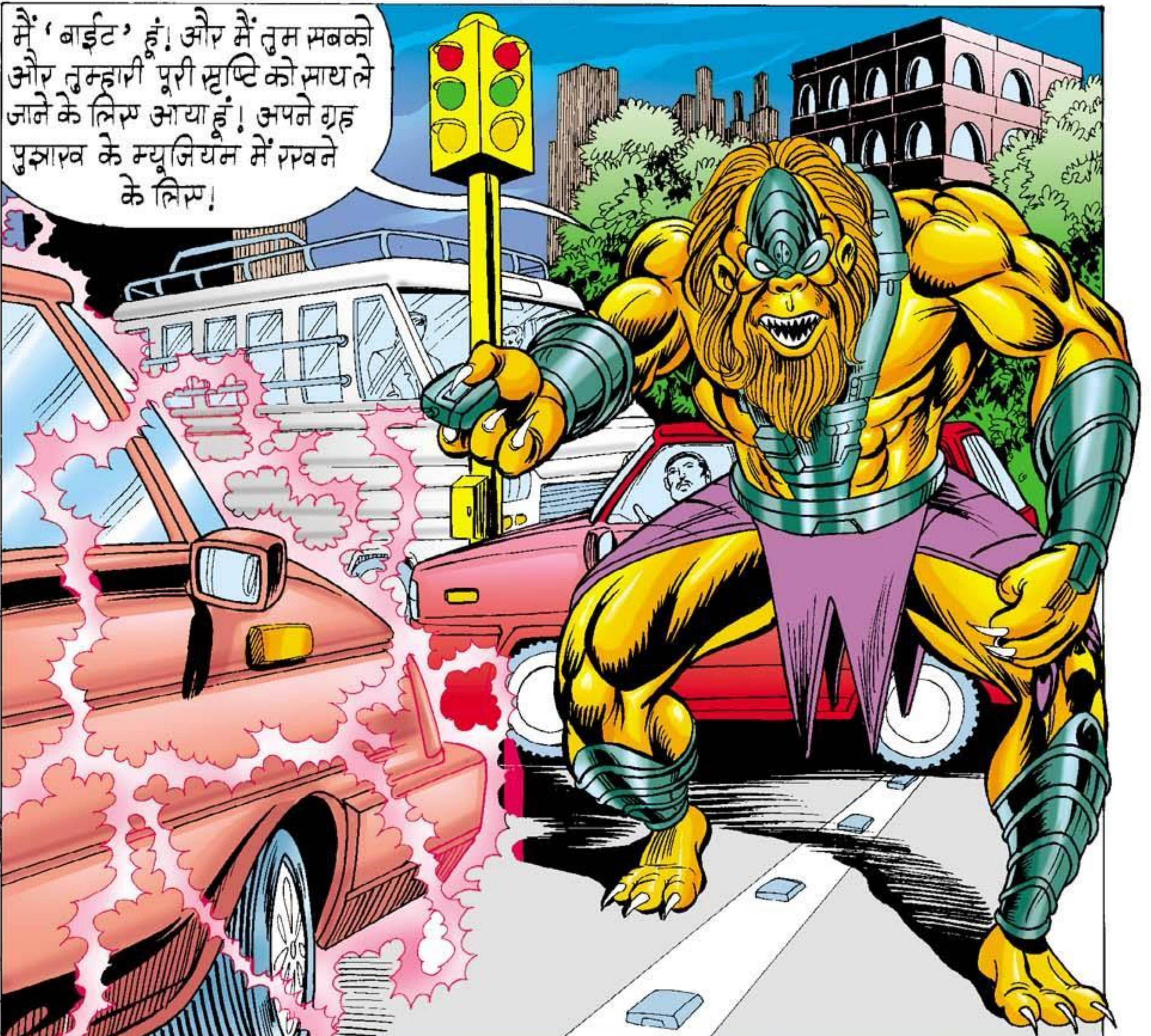
बाईट के उस वार ने पहले तो कार के ठोस आकार को कणों में बिखेर दिया-

और फिर वे कण उस यंत्र में समाते चले गए-

हा हा हा! देखा? अब ऐसे ही तुम्हारे पूरे नगर, पूरे देश, पूरे महाद्वीप और फिर पूरी पृथ्वी ऐसे ही इस यंत्र में समा जाएगी!

और फिर मैं अपने ग्रह पर जाकर इन कणों को फिर से पुराना रूप देकर उस म्यूजियम में रखूंगा जहां पर तुम्हारे ग्रह पृथ्वी जैसे और कई ग्रहों की सृष्टियां हमारे मनोरंजन के लिए रखी हुई हैं!
हम मनोरंजन की वस्तुएं नहीं हैं बाईट! हम वो हथियार हैं...
...जो वक्त आने पर अपने दुश्मन के लिए मौत का पैगाम बन जाते हैं!
ओ! मैंने पढ़ा था मानवों की इस आदत के बारे में! वे पहले बड़े-बड़े शब्द बोलकर दुश्मन को डराने की कोशिश करते हैं...
...लेकिन हम शब्दों से कम और एक्शन से ज्यादा काम लेते हैं!
ओ! ये क्या जादू है! ये बिल्डिंग मुझको मार रही है!
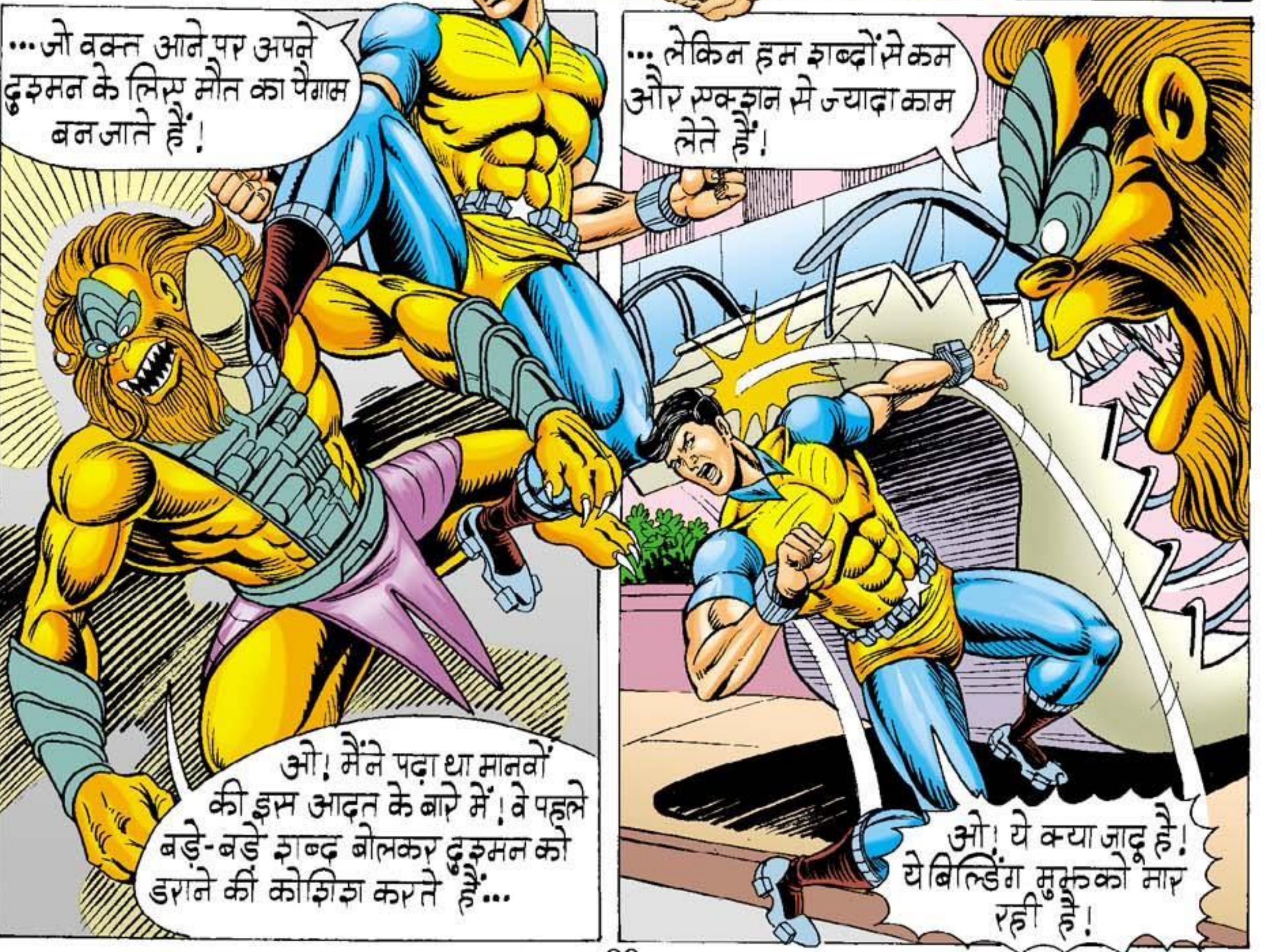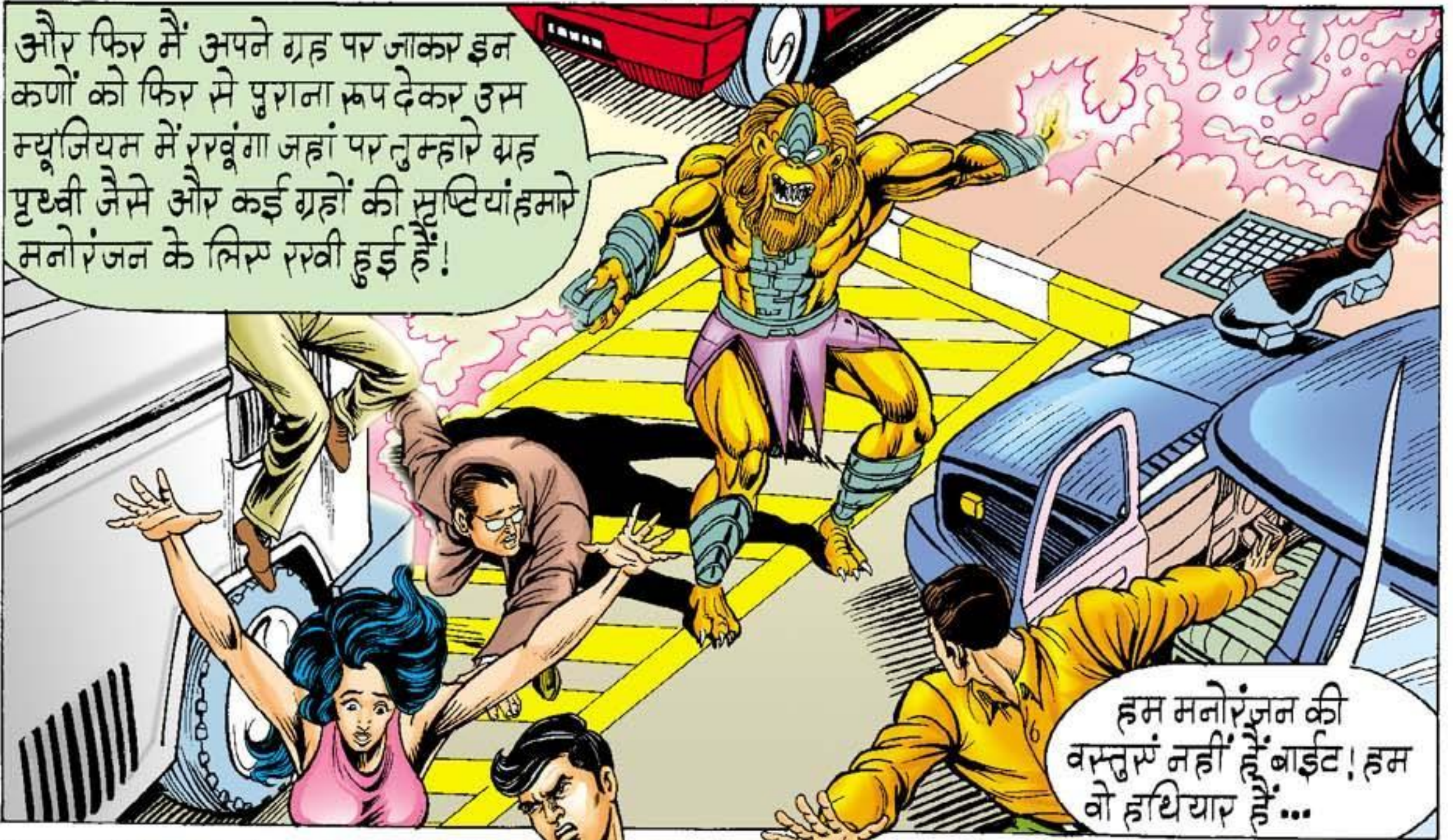
जिस भी चीज को मैं कणों में बदल देता हूं, वह मेरे इशारे पर नाचने लगती है! जैसे कि अब तू मेरे इशारों पर नाचेगा!

ओऽऽऽह! इसने तो पूरी की पूरी इमारत ही गायब कर दी! अगर मैं इसके वार को न बचा पाया तो मेरा भी यही हाल होगा!

इसको हराने के लिए वे तरीके आजमाए नहीं जा सकते जो मैंने कट्टा भाइयों पर इस्तेमाल किए थे! क्योंकि मेरे ख्याल से इसको कहीं और से ऊर्जा नहीं मिल रही है, बल्कि ये खुद ऊर्जा पैदा कर रहा है!

और जो भी चीज ऊर्जा पैदा करती है, उसका अगर धरती से सीधा संपर्क करा दिया जाए तो धरती उस ऊर्जा को सोखकर नष्ट कर देती है!

और यह काम मेरी स्टार लाइन कर सकती है!

स्टार लाइन ने बाइट को लपेट लिया और इससे पहले स्टार लाइन से होती हुई ऊर्जा ध्रुव तक पहुंचती -

स्टार लाइन का दूसरा सिरा जमीन में धंस चुका था-

लेकिन इस वार का असर उल्टा ही हुआ-
ओऽऽऽ ह! ये क्या मूर्खता कर बैठा मैं? धरती इसकी ऊर्जा को सोखकर नष्ट तो नहीं कर पाई, उल्टे ये ऊर्जा ही जमीन में फैलकर जमीन को और उससे जुड़ी हर चीज को कणों में बदलती जा रही है!
स्टार लाइन को काटना होगा!
अरे! ये क्या किया तूने? पृथ्वी को कणों में बदलने का इतना अच्छा रास्ता मिला था और तूने उसमें टांग अड़ा दी! खैर, मैं अब खुद ही किसी और तार का इंतजाम कर लूंगा!
लेकिन पहले उन-उन चीजों को समेट लूं, जिनको मैंने तुम्हारी मेहरबानी से पहले ही कणों में बदल दिया है!
चलो! मुझे योजना बनाने के लिए थोड़ा सा समय मिल गया है! सबसे पहले इस 'बाइट' की स्कैनिंग कराके देखता हूं कि ये चीज क्या है?
करीम! सेटेलाइट कैमरे से 'बाइट' नाम की इस मुसीबत की स्कैनिंग करो!
वह हम पहले ही कर चुके हैं कैप्टेन। स्कैनिंग में कुछ भी नहीं आ रहा है!

'कुछ भी नहीं' का क्या मतलब है करीम?

स्कैन पर 'बाईट' की सिर्फ बाहरी आकृति नजर आ रही है! न तो इसके कोई अंदरूनी अंग नजर आ रहे हैं और न ही कोई हड्डी! कुछ पता ही नहीं चल रहा है कि ये इंसान है, रोबॉट है, या कुछ और!

ठीक है करीम! अब ध्यान से सुनो! और जो मैं कह रहा हूं उस पर तुरन्त अमल करना!

बोलो कैप्टेन!

और फिर-

अब तू कब तक हवा में लटका रहेगा! चल मेरे साथ मेरे म्यूजियम में! तुझको मैं एक स्पेशल पिंजरे में रखूंगा!

ओऽऽऽऽ इसने इस इमारत को भी कणों में बदलना शुरू कर दिया है, जिससे मैं लटका हुआ हूं!

अब तो इससे कूदना ही पड़ेगा! क्योंकि अब आस-पास स्टार लाइन अटकाने लायक जगह ही नहीं बची है!

बहुत अच्छा! मैं तेरे कूदने की गति और दिशा को भांपकर तुझको आराम से कणों में बदल सकता हूं!

ये काम इतना आसान नहीं है बाईट! मैं हवा में भी कलाबाजी खाकर अपनी दिशा को बदल सकता हूं!

पहला वार तो ध्रुव बचा गया-

हा हा हा ! इस वार से बचकर दिखा ! इससे तो तू बच ही नहीं सकता ! क्योंकि तेरी कलाबाजी अभी पूरी नहीं हुई है ! और बगैर एक कलाबाजी पूरी किए तू दूसरी कलाबाजी खा नहीं सकता !
किरण ध्रुव की तरफ तेजी से बढ़ रही थी ! और इस बार ध्रुव के लिए उसके रास्ते से हट पाना मुमकिन नहीं था-
लेकिन कहते हैं कि दोस्त वही है जो मुसीबत में काम आए-
और ध्रुव के लिए दोस्तों की कोई कमी नहीं थी-
ओह ! इस चिड़िया ने वार अपने पर झेल लिया !
ओफ़ ! बहुत हो गया ! तू चाहे जितनी कलाबाजियां खा ले, पर गिरेगा तो नीचे ही न ! और जब तू नीचे गिरेगा तब मेरा ऊर्जा जाल तेरा इंतजार कर रहा होगा !
गिर ! जल्दी गिर !
लेकिन तभी- वह आवाज ध्रुव के लिए जिन्दगी का पैगाम लेकर आ गई-
घर्र्र्र
करीम ने अपना काम कर दिया !
ऊर्जा जाल और ध्रुव के बीच में सिर्फ तीन पलों का फासला था-

उसने स्टार हैलीकॉप्टर भेज दिया!
ओ. के. करीम! अब तुम रिमोट द्वारा हैलीकॉप्टर को नियंत्रित करना बंद कर दो! अब मैं हैलीकॉप्टर का कंट्रोल अपने हाथों में ले रहा हूं! ओवर!
ओहो! तू ऐन वक्त पर मेरे ऊर्जा जाल पर गिरने से बच गया! लेकिन कोई बात नहीं! अब मैं तेरे साथ-साथ तेरे हैलीकॉप्टर को भी कणों में बदल दूंगा!
इसका मौका मैं तुझको नहीं दूंगा!
तू मुझको पकड़ना चाहता है! ऐसा करके तू मुझको अपने और पास ले आया है! अब तो तेरा मेरी किरण से बच पाना असंभव है!
किरण सिर्फ तेरे हाथों से निकल रही है! और मैं हैलीकॉप्टर को ऐसे लहराऊंगा कि तेरी किरण सही निशाने पर लग ही न सके!
कभी न कभी तो लगेगी ही! ऐसे तू कब तक मुझसे बचता रहेगा!
सिर्फ तब तक जब तक मैं तुझको ऐसी जगह पर न पहुंचा दूं जहां पर तुझको कणों में बदलने के लिए मानवों द्वारा बनाई गई कोई चीज मिल ही न सके!
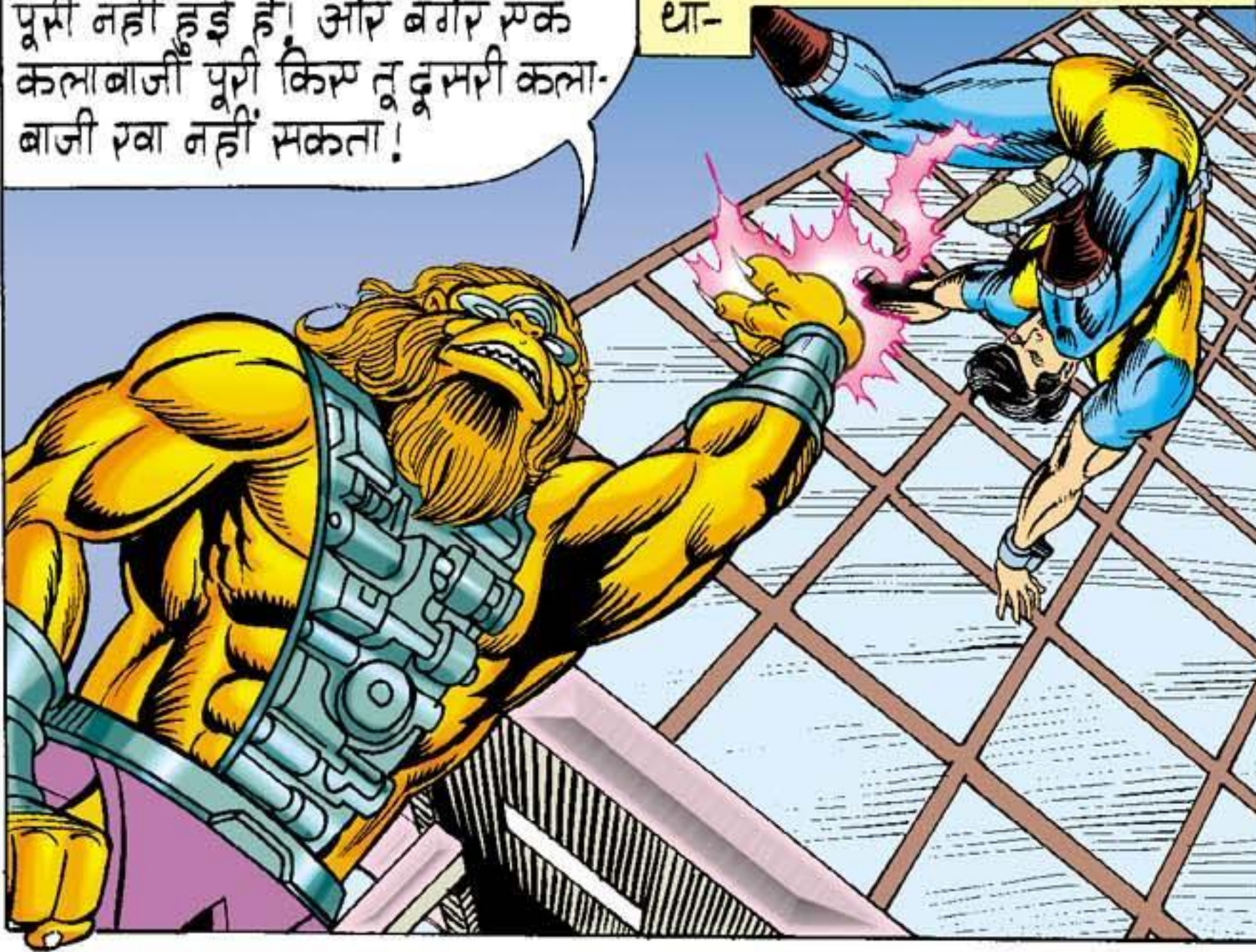
समुद्र के अंदर!
ढटाक
'बाईट' के पानी में गिरते ही-
ध्रुव भी उसके पीछे-पीछे पानी के अंदर जा पहुंचा-
अच्छी चाल थी! यहां पर सचमुच कणों में बदलने के लिए कुछ भी नहीं है! सिवाय पानी के और तुम्हारे!
पानी हवा से ज्यादा घना माध्यम होता है! यह तुम्हारी किरण को चारों तरफ फैला देगा और फिर वे किरणें इतनी कमजोर हो जाएंगी कि किसी को नुकसान न पहुंचा सकें!
सही कहा! मुझे अपनी किरणों की पॉवर बढ़ानी पड़ेगी!
इसका मौका मैं तुमको नहीं दूंगा!
ध्रुव की सीटी के जवाब में-
दर्जनों की संख्या में डॉल्फिनें बाईट पर टूट पड़ीं-
ओ! ये जीव तो चारों तरफ से मुझ पर हमला कर रहे हैं! मुझको अपने कंट्रोल बदलने का मौका ही नहीं दे रहे हैं! ओऽऽऽह!

कहानी 35 पेज से जारी

अब यहां पर रुकना खतरनाक है! मुझे जाना होगा!

ये तो सतह की तरफ भागने कि बजाय समुद्र के तल की तरफ जा रहा है! पर क्यों?

ध्रुव भी बाईट के पीछे पानी में और गहरे उतरता चला गया-

लेकिन-

ओऽऽऽह! यह रोशनी की चमक कैसी?

आंखें चुंधिया गई हैं! कुछ भी नजर नहीं आ रहा है!

कुछ देर बाद ध्रुव की आंखें जब कुछ देखने लायक हुई तो-

अरे! कहां गायब हो गया बाईट! इतने गहरे पानी में से वह कहां जा सकता है! शायद डॉल्फिनों को कुछ पता हो!

ओह! डॉल्फिनों ने 'बाईट' को यहां से जाते हुए नहीं देखा है! और इनकी नजरों से बचकर कुछ भी नहीं जा सकता है! यानी बाईट रोशनी में बदलकर अदृश्य हो गया है!

और अगर मेरा ख्याल सही है तो उसके जाने से सब कुछ फिर से सामान्य हो गया होगा! इमारतें, वाहन, सड़क और इंसान, सभी वापस आ गए होंगे...

...सतह पर चलकर देखना होगा!
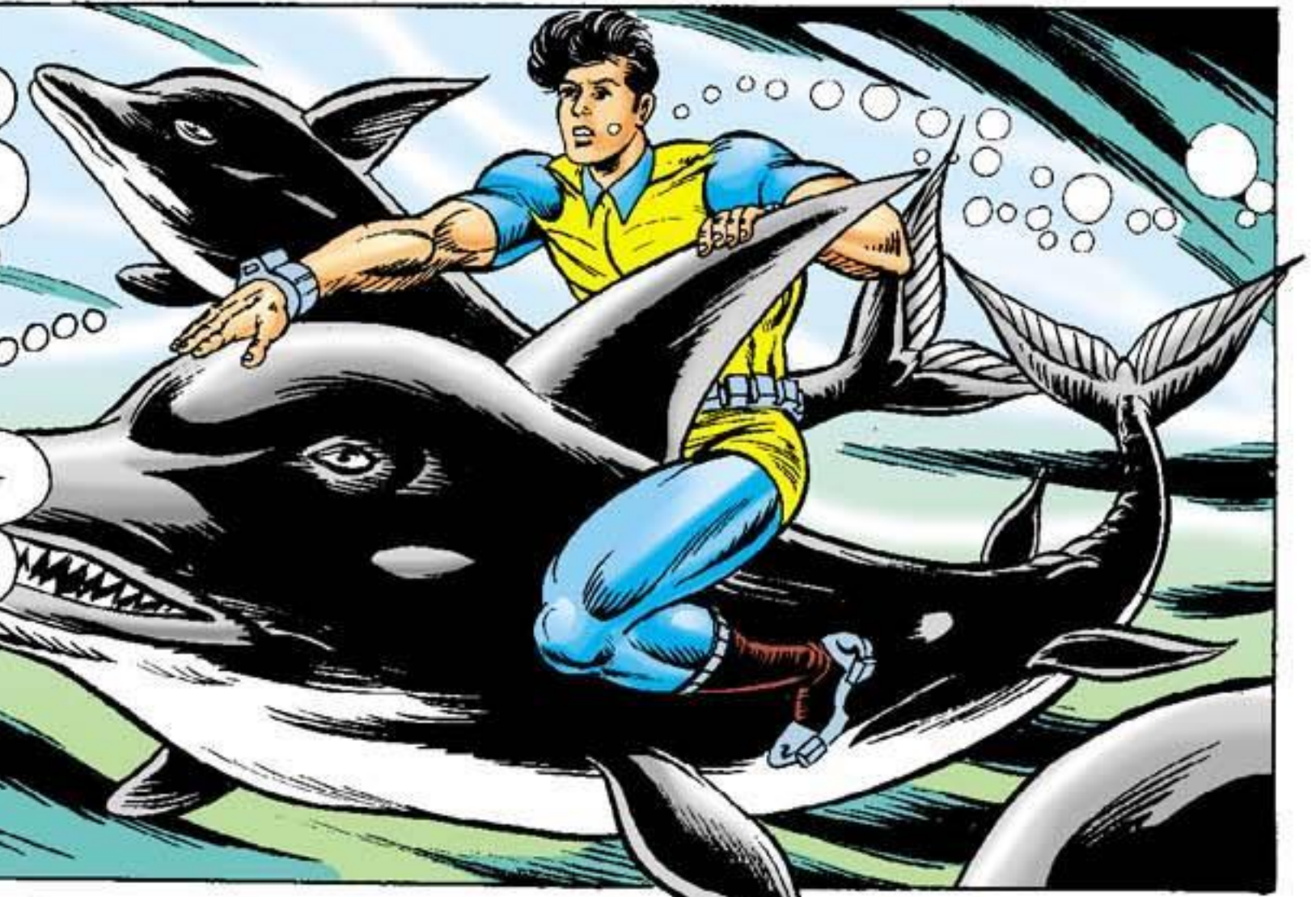
आज ध्रुव का ख्याल एकदम गलत था-

अरे! कुछ भी वापस नहीं आया है! इमारतों की जगह पर खाली जमीन पड़ी हुई है! यानी ये सारी चीजें बाईट के साथ ही चली गई हैं!

समस्या, एकाएक अत्यंत गंभीर हो गई थी-

पृथ्वी पर ग्रहवासियों का हमला हो रहा है! लेकिन यह हमला चुपचाप किया जा रहा है! और उनके इस हमले का हमारे पास कोई जवाब नहीं है!

जिस तकनीक से वे हमारी चीजों को चुरा रहे हैं उस तरीके की काट तो फिलहाल हम सोच भी नहीं सकते!

ध्रुव की कोशिशों से इस बार नुकसान सीमित मात्रा में हुआ है! लेकिन अगली बार वे और ज्यादा संख्या में आएंगे और तब वे कुछ भी नहीं छोड़ेंगे!

हमारे पास उनको रोकने की तकनीक नहीं है! हम कुछ भी नहीं कर सकते! अब तो सिर्फ भगवान ही मानवों को बचा सकते हैं!

नहीं! इस बार मानव ही मानव को बचाएगा! मानवों द्वारा बनाई गई सृष्टि को अगर कोई चुराना चाहता है तो मानव की एक सृष्टि ही उस चोर को रोकेगी!
आप किस सृष्टि की बात कर रहे हैं प्रोफेसर?
प्लैटीनियम की! सुपर कंप्यूटर प्लैटीनियम की! उसके अंदर हमसे लाखों गुना तेज सोचने की क्षमता है! हमारी सारी तकनीक, सारा ज्ञान उसके अंदर भरा हुआ है! वह जरूर कोई ऐसी तकनीक सोच सकता है, जो परग्रहियों के विज्ञान को भी टक्कर दे सके!
ऐसा हो सकता है! आइडिया अच्छा है। वैसे भी इसको आजमाने में कोई हर्ज नहीं है!

अब इंसानों के अस्तित्व को बचाने की जिम्मेदारी एक मशीन के कंधों पर आ गई थी-
प्लैटीनियम! तुम्हारे अंदर हमने इस घटना की पूरी जानकारी फीड कर दी है! अब इस डाटा का विश्लेषण करके हमको यह बताओ कि ये कौन कर रहा है, कैसे कर रहा है, और क्यों कर रहा है?
डाटा एनालाइज हो रहा है! प्लीज वेट!

एनॉलिसिस कंपलीट! विश्लेषण पूरा हो चुका है!
तर्क के आधार पर यह कहा जा सकता है कि इस बात की 99.98 प्रतिशत संभावना है कि ये काम किसी ऐसी प्रजाति का है जिनका विज्ञान मानवों से कहीं अधिक विकसित है!
क्या यह काम दूसरे ग्रहवालों का भी हो सकता है!
अगर उनका विज्ञान मानवों के विज्ञान से उन्नत है तो अवश्य हो सकता है!
क्या तुम बता सकते हो कि वे ऐसा करने के लिए किस तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं!

वे हर चीज को डिजिटाइज करके अपने यंत्रों में भर रहे हैं!
डिजिटाइज! डिजिटाइज तो सिर्फ तस्वीरों को किया जा सकता है!
मानवों की तकनीक यहीं तक सीमित है! लेकिन उनका विज्ञान आपसे आगे है!
वे ठोस और तीन आयामी वस्तुओं को भी डिजिटाइज कर सकते हैं!

इस प्रकार वे एक पचास मंजिली इमारत को भी एक माचिस की डिबिया में भर सकते हैं, और अपने साथ ले जा सकते हैं!

वाह! यह तो मुझे खुद भी सोच लेना चाहिए था! लेकिन उनको ऐसा करने से हम कैसे रोक सकते हैं?

मैं मानवों की ही तकनीक को और उन्नत करके एक ऐसे यंत्र की डिजाइन बना सकता हूं जो डिजिटाइज करने वाली ऊर्जा को नष्ट कर दे!
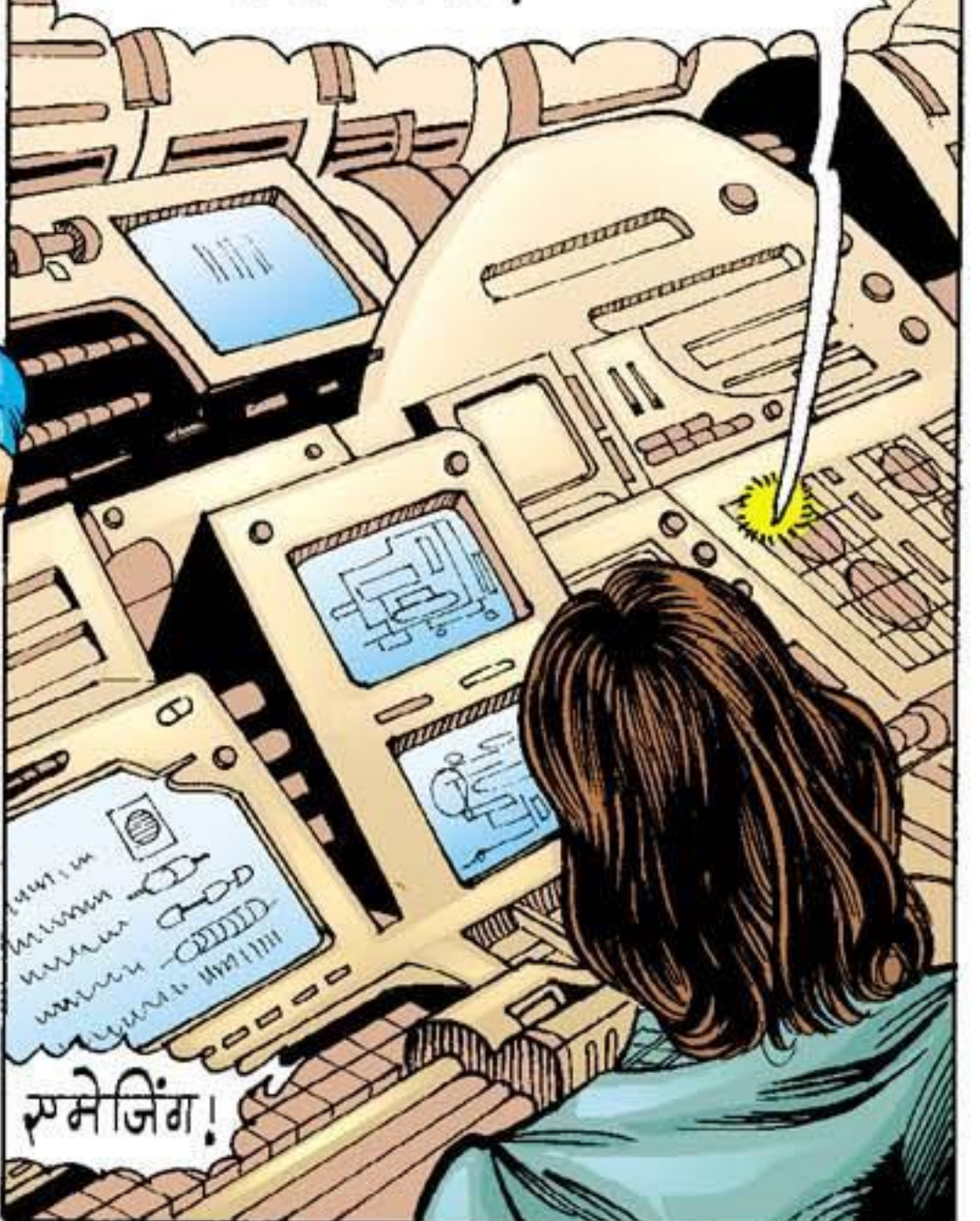
मैं उस यंत्र की डिजाइन और उसको बनाने के लिए आवश्यक सामानों की लिस्ट डिस्प्ले कर रहा हूं! कृपया डाऊनलोड करें या प्रिंट आऊट ले लें!
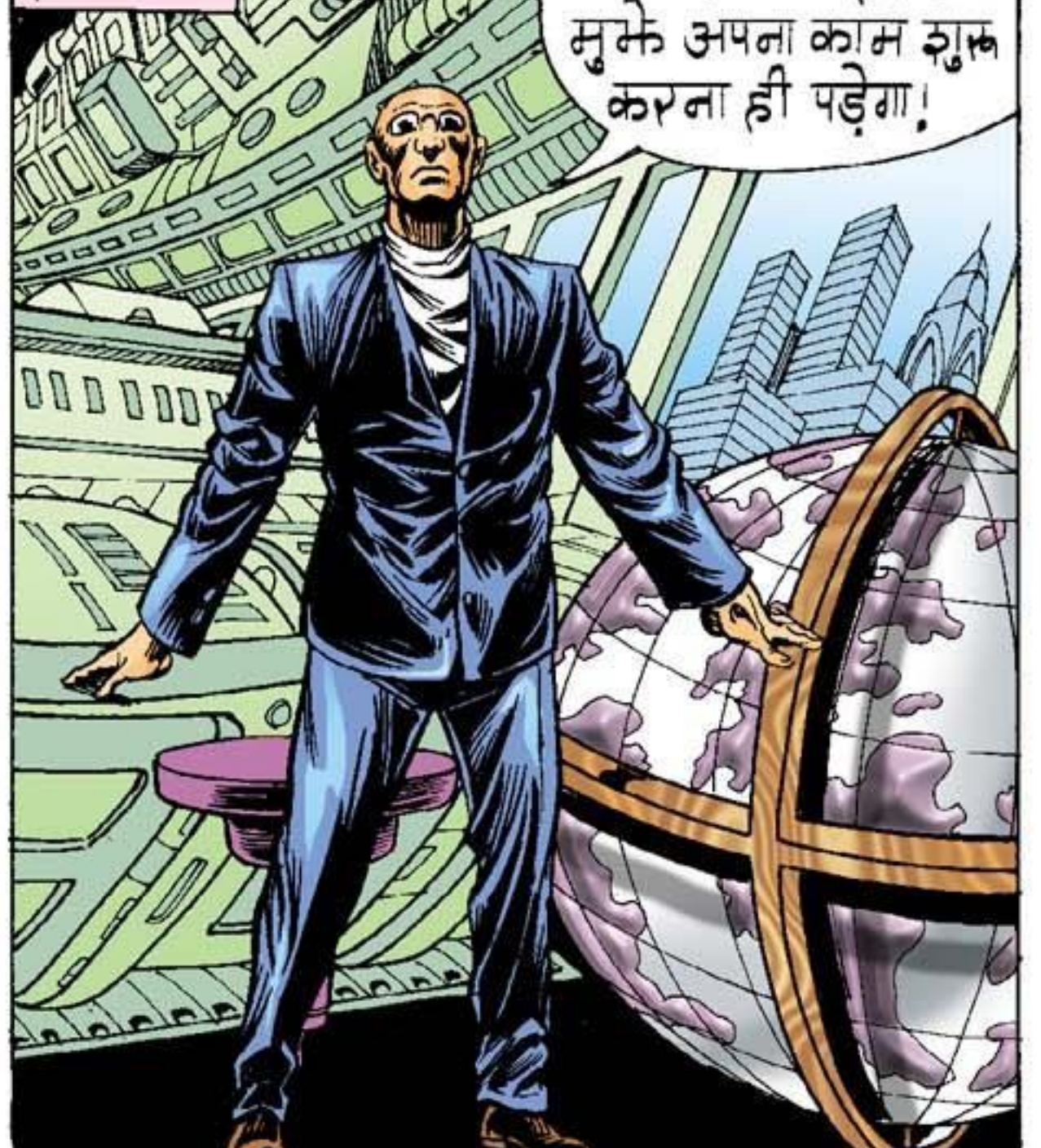
एमेजिंग!

वर्ना मेरा पृथ्वी पर आना ही बेकार हो जाएगा!
इसी वक्त-
कमांडो हैडक्वार्टर में-
माना कि कमांडो हैडक्वार्टर में दुनिया के सबसे पॉवर-फुल कंप्यूटरों में से एक कंप्यूटर लगा हुआ है। लेकिन इसकी मदद से तुम करना क्या चाहती हो ब्लैक कैट?
अगर पृथ्वी पर दूसरे ग्रह के प्राणी हैं तो वे किसी न किसी तरीके से हमारे कंप्यूटर नेटवर्कों से जरूर जुड़े होंगे ताकि वे हमारे बारे में सारी जानकारी प्राप्त कर सकें। और प्लेटीनियम इस दुनिया के हर नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। तुम तो जानते हो कि मैं एक सुपर कंप्यूटर एक्सपर्ट हूं!
इसलिए अगर मैं कोशिश करूं तो मैं प्लेटीनियम के शक्तिशाली सर्किटों के जरिए परग्रहियों तक पहुंच सकती हूं और उनके रहने के ठिकाने का पता लगा सकती हूं!
इस काम की इजाजत तो मुझको मिलेगी नहीं! इसीलिए ये काम मुझको अपने आप ही करना पड़ेगा! लो पहुंच गई मैं प्लेटीनियम सर्किटों के अंदर!
PASSWORD ACCEPTED
तुम कंप्यूटर के मामले में वाकई जीनियस हो, ब्लैक कैट!

कैप्टेन! अर्जेंट मैसेज है! परग्रहियों ने मैडिसन स्क्वायर पर अटैक किया है!
मैडिसन स्क्वायर! यह संयोग नहीं हो सकता! बिलकुल नहीं!
क्या संयोग नहीं हो सकता है कैप्टेन?
यही कि अटैक मैडिसन स्क्वायर पर किया जा रहा है! और प्लेटीनियम भी उसी इलाके में स्थित है!
इस बार का अटैक पहले से ज्यादा भीषण था-
ओ माई गॉड! पिछली बार तो सिर्फ एक परग्रही आया था! लेकिन इस बार तो पूरी फौज नजर आ रही है! और ये बड़ी तेजी से सारी चीजों को डिजिटाइज कर रहे हैं!
हमको ऐसी ही किसी स्थिति से निपटने के लिए पूरे शहर में जगह-जगह पर तैनात किया गया है!
अब प्लेटीनियम द्वारा बताए गए हथियार को परखने का वक्त आ गया है! अगर ये काम कर गया तो हमें सबको प्लेटीनियम पर पक्का भरोसा हो जाएगा!

फैसले की घड़ी आ गई थी-
अरे वाह! इस हथियार से निकलती किरणों ने पूरी बिल्डिंग को एक ऐसे कवच से ढक दिया है जिसको परग्रहियों के वार भेद नहीं पा रहे हैं!
प्लेटीनियम ने पूरी मानव जाति को बचा लिया है!
प्लेटीनियम तो सिर्फ एक मशीन है! वह भी तो मानव के इशारों पर ही काम करती है! सच तो ये है कि मानव ने ही खुद मानव जाति को बचाया है!
एक बार हमारी चीजें सुरक्षित हो जाएं फिर हम इन परग्रहियों से भी निपट लेंगे और उड़नतश्तरी से भी!
सही कहा तुमने! अब हमको पहले यहां की सारी चीजों को इस हथियार की किरणों से ढक देना चाहिए!
ताकि परग्रही हमारी किसी भी चीज को नुकसान न पहुंचा पाएं!
ये कोशिशें करना रोक दो मूर्खों...

वर्ना तुम सब अपने ही हाथों से तबाह हो जाओगे!
ये... ये देखने से ही परग्रहियों का सरदार लग रहा है! इसको नष्ट करने से परग्रही अपने आप ही हमारे ग्रह से भाग खड़े होंगे!
प्लेटीनियम द्वारा बनाए गए हथियारों से इस पर एक साथ हमला करो!
ये हथियार 'मोर्म' पर कोई असर नहीं करेंगे!
फेंक दो ये हथियार और गौर से सुनो मेरी बात!

गौर से तुम मेरी बात सुनो! कोशिश हम नहीं, तुम बंद करोगे! मानवों की सृष्टि को कणों में बदल कर अपने ग्रह ले जाकर म्यूजियम में रखने की कोशिश तुम छोड़ोगे!
धड़ाक्
समझ गया! वैसे भी मुझे इस बात का पहले से आभास था कि तुम मानव आसानी से मेरी बात नहीं सुनोगे! अब अगर ऐसा है...
... तो फिर मुझको अपनी बात जबरदस्ती सुनानी होगी!
अरे! वे... वे हथियार हमारे हाथों से गायब हो गए!
हां! और अब मेरे रास्ते से हट जाओ! अब पहले मैं अपना काम पूरा करूंगा और फिर तुम लोगों को समझाऊंगा कि वैसा मैंने क्यों किया!
अरे! हम... हम हवा में कैसे उड़ रहे हैं? हमको नीचे उतारो! नीचे उतारो!

बड़े आश्चर्य की बात है! इसके आते ही बाकी प्राणी हवा में चुपचाप खड़े होकर तमाशा देख रहे हैं! इसकी मदद नहीं कर रहे हैं!
जबकि अगर ये सभी प्राणी एक साथ हम पर हमला करने लगें तो हमारा बचना मुश्किल हो सकता है!
ख्यालों में डूबे ध्रुव को-
उस पुकार ने चौंका दिया-
मोर्सा को रोको ध्रुव वह उस इमारत के अंदर जा रहा है जिसमें प्लेटीनियम रखा हुआ है!
ओह, जिस प्राणी में इतनी जबरदस्त शक्ति है, उसका रास्ता भला मैं कैसे रोक सकता हूं!
तभी-
अरे! हवा में लटके परग्रही अचानक गायब हो रहे हैं! और पुलिस वाले भी नीचे उतरते आ रहे हैं। ये कैसे हो गया?
ये मैंने किया है! क्योंकि मोर्सा का उद्देश्य है ग्रहों पर जाकर आतंक फैलाना...
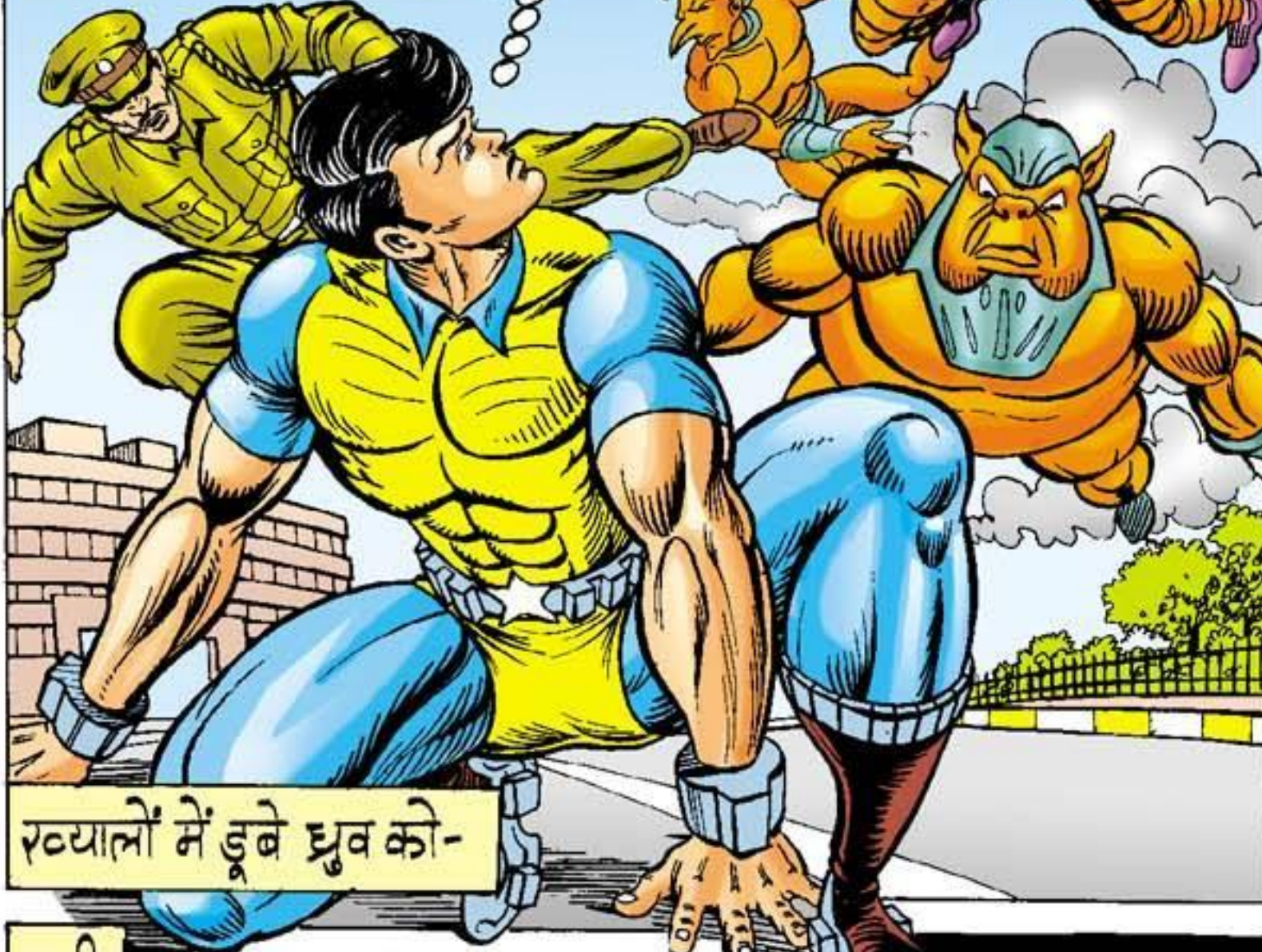
और कोर्चा का उद्देश्य है उसको रोकना!
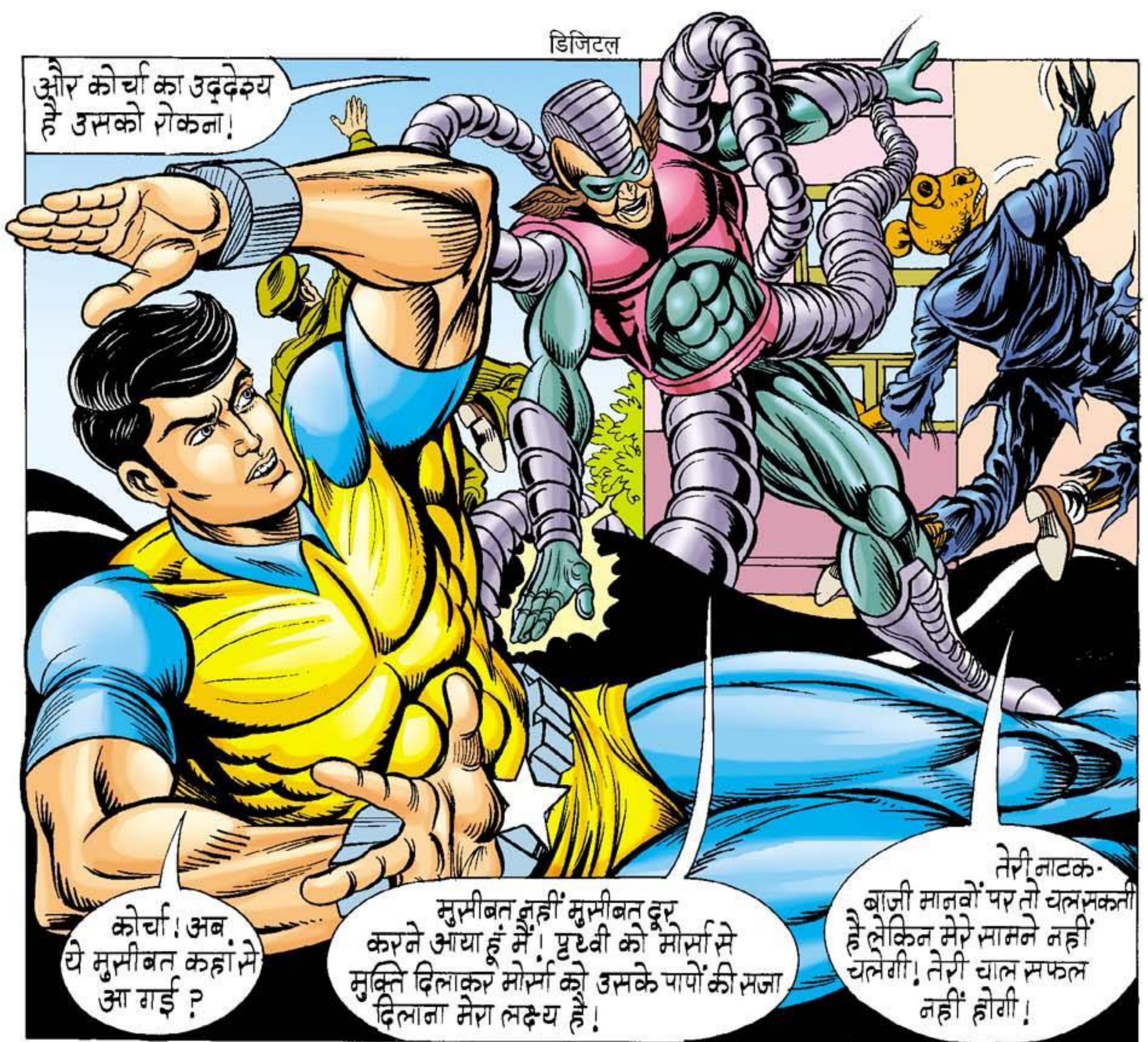
कोर्चा! अब ये मुसीबत कहां से आ गई?

मुसीबत नहीं मुसीबत दूर करने आया हूं मैं! पृथ्वी को मोर्स से मुक्ति दिलाकर मोर्स को उसके पापों की सजा दिलाना मेरा लक्ष्य है!

तेरी नाटक-बाजी मानवों पर तो चल सकती है लेकिन मेरे सामने नहीं चलेगी! तेरी चाल सफल नहीं होगी!
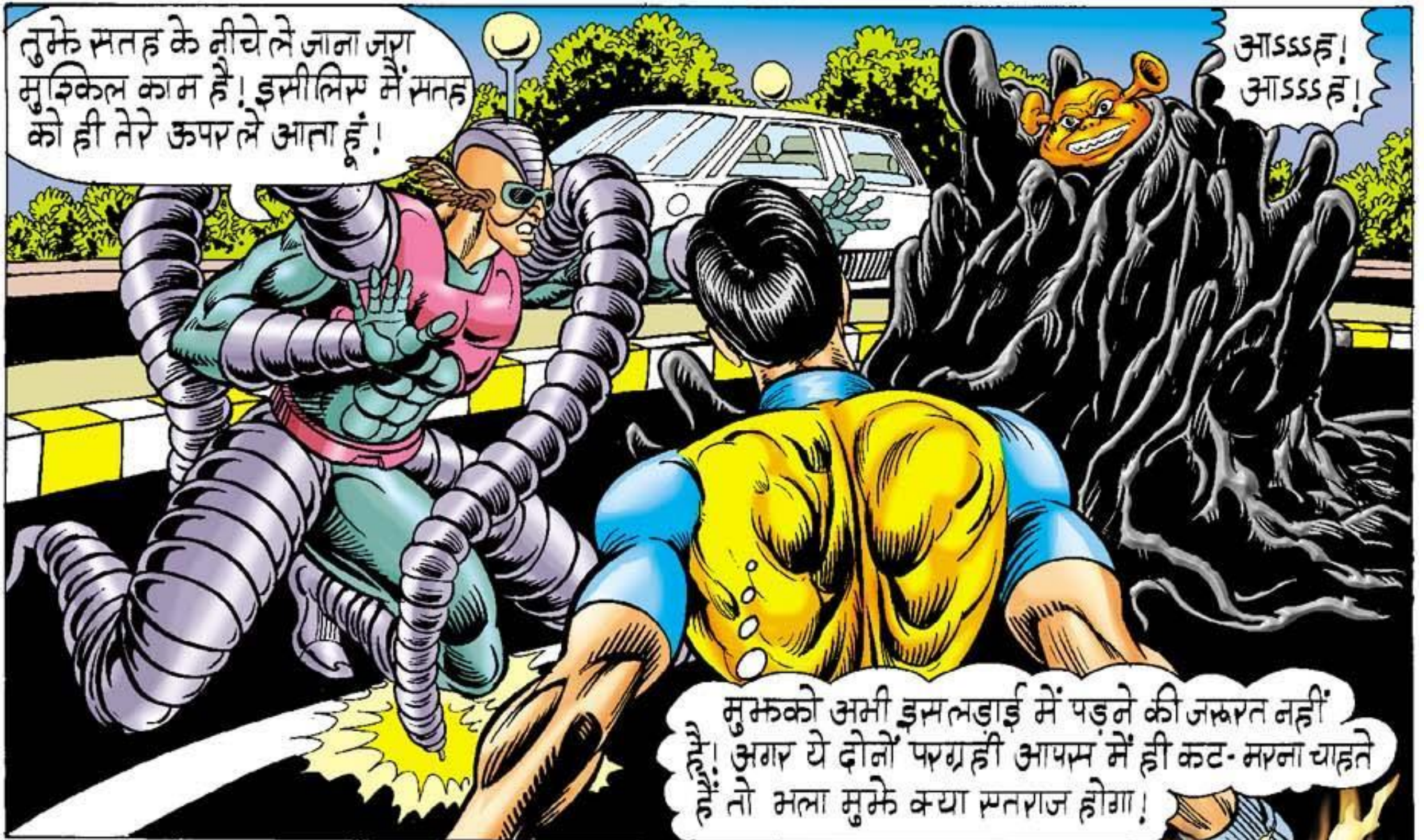
तुझे सतह के नीचे ले जाना जरा मुश्किल काम है! इसीलिए मैं सतह को ही तेरे ऊपर ले आता हूं!

आऽऽऽह! आऽऽऽह!

मुझको अभी इस लड़ाई में पड़ने की जरूरत नहीं है! अगर ये दोनों परग्रही आपस में ही कट-मरना चाहते हैं तो भला मुझे क्या एतराज होगा!

और उसके बाद तू नहीं बचेगा प्लेटीनियम की औलाद!
मैं तेरी पृथ्वी को नष्ट करने की योजना को कभी कामयाब नहीं होने देगा।
तूने मुझको प्लेटीनियम की औलाद कहा! मैं जानता हूं कि प्लेटीनियम क्या है! और अब मैं तेरा सारा खेल समझ गया हूं!
तुझे पृथ्वी पर खतरा सिर्फ प्लेटीनियम से है! तू उसको अपने आप नष्ट नहीं कर सकता! इसीलिए तू उसको मानवों का दुश्मन बना-कर मानवों को ही उसके खिलाफ करना चाहता है!
ताकि मानव उसको खुद ही नष्ट कर दें! और पृथ्वी पूरी तरह से तेरे चंगुल में आ जाए!
लेकिन तेरी ये चाल कामयाब नहीं होगी! नहीं होगी!
ओह! मोर्सा ने कोर्चा को किसी रहस्यमय खोल में ढककर पीस डाला है... लेकिन... लेकिन जो कुछ भी कोर्चा ने कहा, क्या वह सच है?
खैर! इस पर विचार करने का वक्त नहीं है! फिलहाल तो मुझको प्लेटीनियम की तरफ बढ़ते मोर्सा को रोकना है!
इमारत के अंदर-
ओह! कोई परग्रही प्लेटीनियम को नुकसान पहुंचाने के लिए यहां आ रहा है! मुझे इस यंत्र की मदद से उसको बाहर ही रोकना होगा!
सॉरी प्रोफेसर!
मैंने अपनी सुरक्षा का इंतजाम खुद ही कर लिया है! इस इमारत को मैंने 'फोर्स फील्ड' से ढक दिया है! अब न तो कोई इस बिल्डिंग के अंदर आ सकता है, और न ही बाहर जा सकता है!
पर... पर ये काम तुमने अपने आप कैसे कर लिया, प्लेटीनियम? मैंने तो तुमको ऐसा कोई कमांड नहीं दिया था!
आपने और आपकी टीम ने मेरे अंदर 'कृत्रिम-बुद्धिमता' भर रखी है, प्रोफेसर!
यह उसी इंटेलिजेंस का कमाल है! आप उस परग्रही से निपटने का भार मुझे ही लेने दीजिए!

तुमको मेरी तरफ देखने के बजाय...

नीचे देखकर चलना चाहिए था मोर्सा! ये डोरी मैंने तुमको बांधने के लिए नहीं, बल्कि मेनहोल का ढक्कन खोलने के लिए फेंकी थी!

अब तुम सतह की दस फुट मोटी पर्त के नीचे हो! सीवर लाइन में! और इतनी मोटी पर्त तुम तक तुम्हारे ग्रह की किरणें न पहुंचने देने के लिए पर्याप्त है!
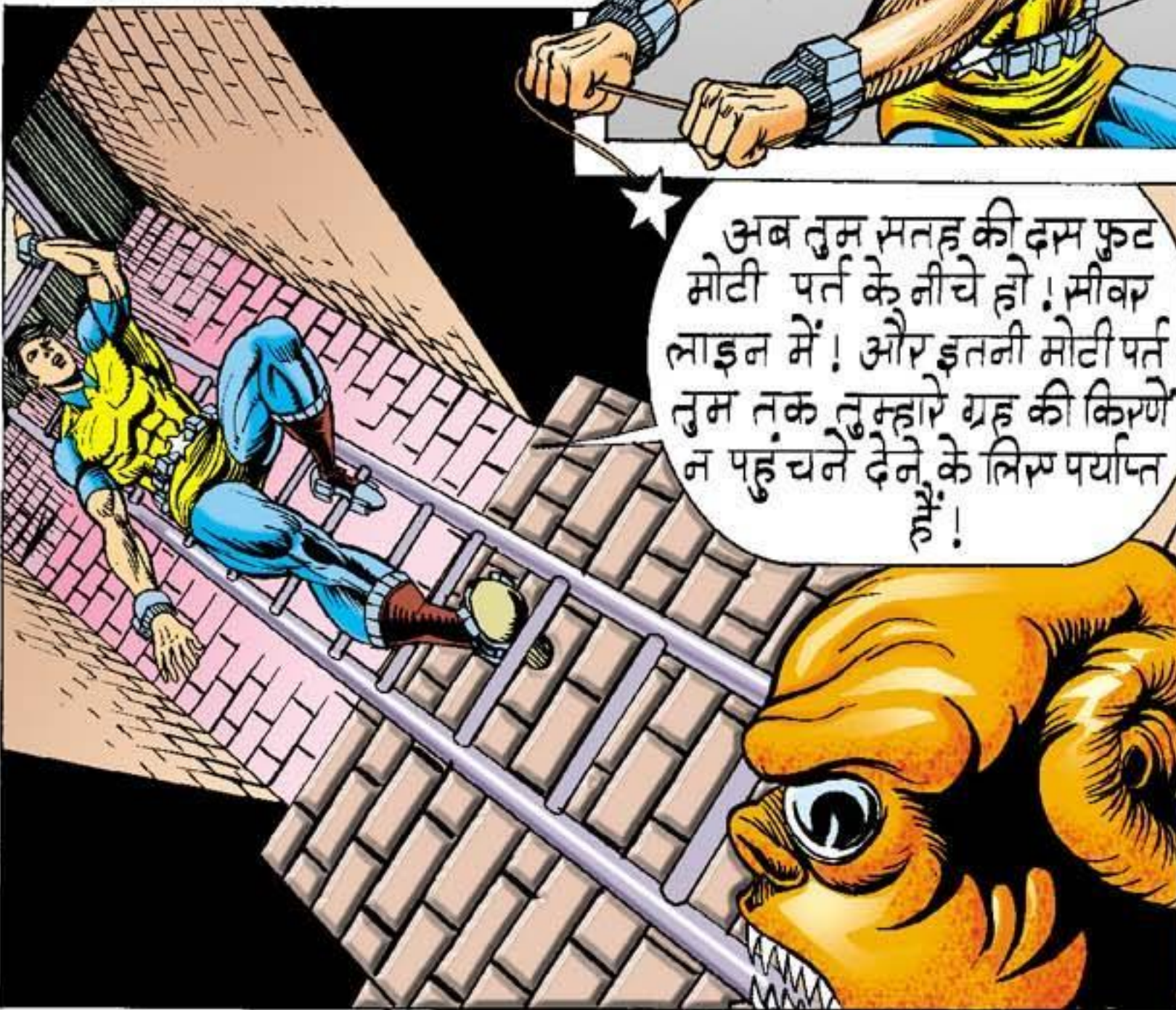
अब तुम शक्तिहीन हो! और तुम्हारे बचाव का सिर्फ एक ही रास्ता है! चुपचाप मेरे सवालों का जवाब देते जाने का रास्ता!

कोर्चा को इसीलिए भेजा गया था ताकि वह मानवों के दिमागों में मेरे प्रति भ्रम पैदा कर सके! वर्ना कोर्चा को भेजने वाला यह जानता था कि कोर्चा मेरे सामने पलभर भी टिक नहीं सकता!

हां, एक... एक परग्रही हूं मैं! मंगल ग्रह से आया हूं! और कई वर्षों से भेष बदलकर मानवों के बीच में रह रहा था! और यह सिर्फ इसलिए क्योंकि मशीनों ने हमारे ग्रह को और हमारी सभ्यता को नष्ट कर दिया! हमने खुद वे मशीनें बनाईं और उनमें इतनी शक्ति भर दी कि हमारी जिन्दगियों का नियंत्रण उनके हाथों में चला गया!

वे मशीनें हमारी मालिक बन बैठीं और हम उनके गुलाम! उन्होंने हमको धीरे-धीरे नष्ट कर दिया और फिर जब सारे ग्रहवासी या तो नष्ट हो गए और या फिर दूसरे ग्रह की तरफ भाग खड़े हुए तो फिर उन मशीनों ने खुद ही एक दूसरे को नष्ट कर दिया! इस दौरान मैं पृथ्वी पर आ गया था!...
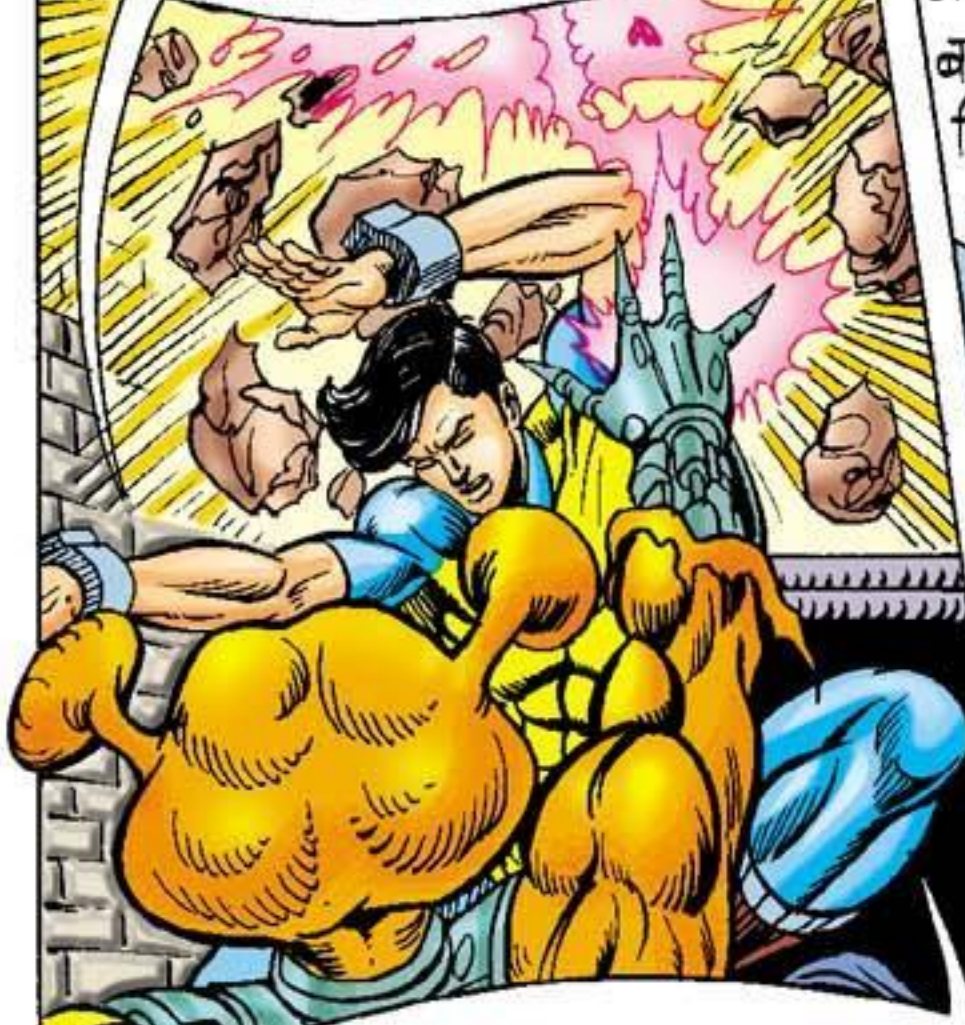
तुम्हारी बातें यकीन के काबिल नहीं हैं! पहली बात तो यह कि प्लेटीनियम के अंदर यह सब-कुछ कर सकने की क्षमता नहीं है! और दूसरी बात ये कि तुम्हारे जैसा कोई परग्रही भला पृथ्वी और मानवों की भलाई क्यों चाहेगा?

...और पृथ्वी पर आकर मैंने मानवों की प्रगति पर नजर रखनी शुरू कर दी! ताकि मैं उनको मशीनों का गुलाम बनने से रोक सकूं!

और आज मैं यही कर रहा हूं! प्लेटीनियम को मानवों का मालिक बनने से रोक रहा हूं!

ओह! इतने वर्षों तक पृथ्वी पर रहने के बावजूद मैं ऐसे स्थान पर कभी नहीं आया। अजीब सी गंध है यहां के वातावरण में! मेरा सर चकरा सा रहा है। खैर, प्लेटीनियम को खत्म करने के लिए मैं बाहर तो जा ही रहा हूं! बाहर जाकर मुझे ठीक होने में वक्त नहीं लगेगा!
ये लड़खड़ाया! चलो! मुझे इसकी एक कमजोरी का तो पता चला!

ये सीवर में बहते इन रसायनों की मिली जुली गंध को ही सह नहीं पा रहा है! अगर इसको इस गंदे पानी में गिरा दिया जाए तो इन रसायनों का मिला जुला असर इसको बेहोश कर सकता है!
और यह काम मैं स्टार लाइन को इसके बदन में फंसाकर आसानी से कर सकता हूं!
अरे! स्टार लाइन तो इसके शरीर के आर-पार हो गई!
मैंने अपनी बची खुची शक्ति से अपने शरीर को कणों में बदल दिया है! अब सिर्फ ऊर्जा ही मुझको कोई नुकसान पहुंचा सकती है! तुम जैसे मामूली इंसान के पास ऊर्जा भला कहां से आएगी!
दिमाग से मौर्या!
क्योंकि अब मुझको वह तरीका मिल गया है जो तुमको गंदे पानी में कूदने पर मजबूर कर देगा!
सीवर लाइन से होकर जाता ये कुकिंग गैस पाइप...

... तुमको गैस के बादलों में ढक देगा!

और फिर मेरा सिग्नल फ्लेयर उस गैस में आग लगा देगा!
और आग ऊर्जा का ही एक रूप है जो तुमको नुकसान पहुंचा सकती है!
अब इस आग को बुझाना चाहते हो...

...तो इस पानी में कूद जाओ!
आग बुझाने के लिए तो गंदे पानी में कूदना ही पड़ेगा! और कोई उपाय नहीं है!
आऽऽऽह! इन रसायनों का मेरे शरीर पर अजीब सा असर हो रहा है! मेरी शक्ति खत्म हो रही है!
और मुझे कमजोरी लग रही है!
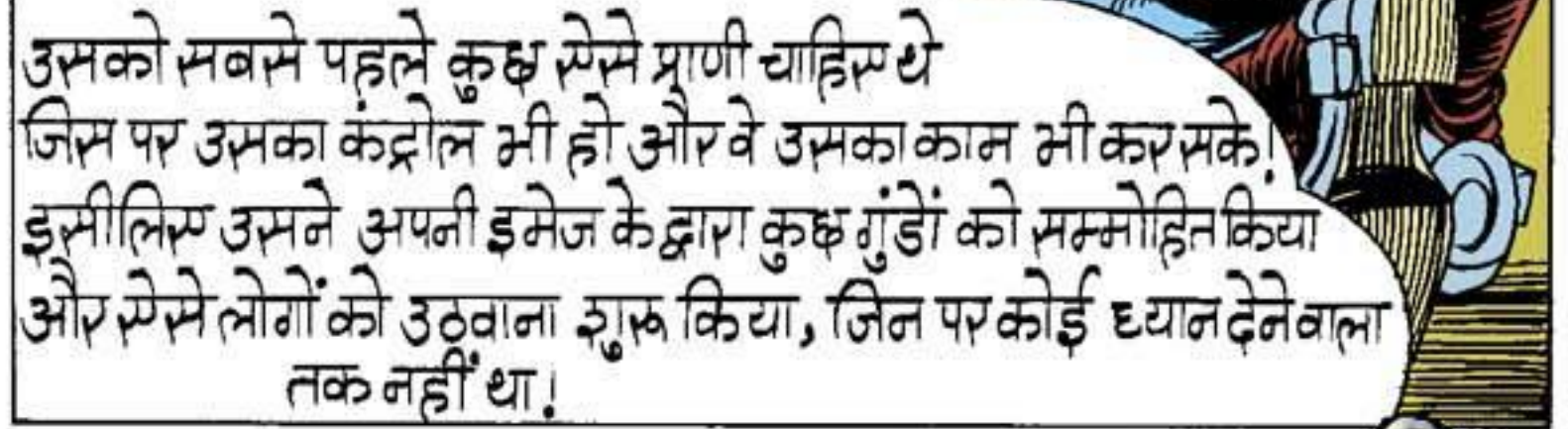
सबसे पहले उसने उन इंसानों को डिजिटाइज किया और फिर उनको नए-नए रूप देकर चीजों को डिजिटाइज करने के लिए दुनिया में भेज दिया! बाईट एक ऐसा ही इंसान था जिसको डिजिटाइज करके और नया रूप देकर भेजा गया था! प्लेटीनियम पर किसी को शक न हो, इसके लिए उसने परग्रही और उड़न तश्तरी का नाम लेकर एक नाटक रचा था। पुशाक नाम का कोई ग्रह है ही नहीं!

मैं सब कुछ देख रहा था! पर यह निर्णय नहीं ले पा रहा था कि मैं अभी बीच में पडूं या नहीं! पर जब परग्रहियों से निपटने के लिए मानवों ने प्लेटीनियम से ही मदद मांगी और प्लेटीनियम ने ऐसे हथियारों को डिजाइन करके दे दिया जो खुद ही चीजों को डिजिटाइज कर रहे थे तो मुझसे रहा नहीं गया!

मेडिसन स्क्वेयार पर आए परग्रही उतना नुकसान नहीं कर रहे थे जितना कि उन हथियारों से छूटती किरणें! वह सारा ड्रामा प्लेटीनियम द्वारा ही रचा गया था। बस, वह ये नहीं जानता था कि इस ग्रह पर पहले से ही एक परग्रही मौजूद है! मंगल ग्रह का प्राणी मोर्सा!

मेरे घटनास्थल पर पहुंचते ही प्लेटीनियम समझ गया कि खेल उल्टा हो सकता है! उसने तुरंत सभी प्राणियों को गायब करके उनके कणों से एक नया प्राणी कोर्चा बनाया और कोर्चा ने नष्ट होते-होते भी तुम लोगों के दिमाग में शक का बीज डाल दिया!

अब कोई रास्ता नहीं है! प्लेटीनियम मुझको शक्ति प्राप्त करने के लिए यहां से बाहर जाने नहीं देगा, और मानव उसको नष्ट कर नहीं पाएंगे।

हां! मेरे पास मौजूद एकमात्र इंसान! इसको भी मैंने डिजिटाइज करके तुम्हारे पास भेज दिया है। अब मानव तो क्या, मक्खी तक मेरे आस-पास भी फटक नहीं सकती है! मुझको कुछ भी नष्ट नहीं कर सकता। अब तुम दोनों भी मरने के लिए तैयार हो जाओ!

ओह! सीवर का पानी तेजी से ऊपर चढ़ रहा है!

और मैं शर्त लगाकर कह सकता हूं कि बाहर निकलने के सारे रास्ते बंद हो चुके होंगे!

ओह! प्रोफेसर, होश में आइए! आप ही प्लेटीनियम से बचने का कोई रास्ता तलाश कर सकते हैं!

अब कोई फायदा नहीं है ध्रुव! यहां से बचकर अगर निकल भी जाओगे तो भी प्लेटीनियम को नष्ट करने के लिए उसके पास तक नहीं पहुंच पाओगे!

हमको खुद डिजिटाइज होकर इस इंटरनेट केबल के जरिए प्लेटीनियम के अंदर पहुंचकर उसमें मौजूद 'आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस' को नष्ट करना होगा!

लेकिन प्लेटीनियम यहां तक कैसे पहुंचा! यहां की तो कोई भी चीज पहले से डिजिटाइज नहीं थी! फिर वह किस चीज के सहारे से आया! ओ, यह रहा रास्ता! इंटरनेट का केबल! मोर्स, एक रास्ता है यहां से निकलने का, और प्लेटीनियम को नष्ट करने का!

और तुम्हारा भी मेरे साथ चलना जरूरी है! क्योंकि मशीनों के बारे में जितना तुम जानते हो उतना मैं नहीं जानता!

तुम बहुत बड़ा खतरा मोल ले रहे हो ध्रुव! डिजिटाइज होकर हम प्लेटीनियम के सर्किटों में तो घुस सकते हैं लेकिन साथ ही साथ हम प्लेटीनियम के कंट्रोल में भी आ जाएंगे! अब प्लेटीनियम अपने कमांड के जरिए हमको अपने इशारों पर नचा सकता है!
मैं खतरे को अच्छी तरह से समझ रहा हूं! मोर्सा! हमको प्लेटीनियम के कमांड से लड़ते हुए उसके 'आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस' वाले सर्किटों तक पहुंचना है!
ध्रुव और मोर्सा केबल के अंदर खिंचते चले गए-
चलो, कोशिश करते हैं! लेकिन इस दौरान प्रोफेसर का क्या होगा?
उनको भगवान के भरोसे छोड़ना होगा!
और उम्मीद करनी होगी कि उनके डूबने से पहले हम प्लेटीनियम को नष्ट कर देंगे।
ध्रुव और मोर्सा, बिजली की गति से प्लेटीनियम के सर्किटों की भूलभुलैया में जा पहुंचे-

मेरे सर्किटों में घुसकर तुमने अपने आपको खुद एक ऐसी कैद में डाल दिया है जिससे तुम कभी बाहर नहीं निकल सकते! तुम मुझको नष्ट करना चाहते हो न? अब देखो कि मैं तुमको कैसे नष्ट करता हूं!
प्लेटीनियम अब खुद इस लड़ाई में शामिल हो गया है! और चारों तरफ से अपने कमांड हम पर छोड़ रहा है! एक भी कमांड का हमसे स्पर्श होते ही हमारा नियंत्रण प्लेटीनियम के हाथों में चला जाएगा...
ये प्लेटीनियम का इलाका है, ध्रुव! फिलहाल सिर्फ बचते रहना होगा! अगर ये कमांड बिजली की रफ्तार से हम पर हमला कर सकते हैं तो डिजिटल रूप में हम भी बिजली की रफ्तार से इनके रास्ते से हट सकते हैं।
ये तो मैं भी समझ रहा हूं तुम तो ये बताओ कि अब हम करें क्या?
बचते रहने का कोई फायदा नहीं है! ऐसे तो प्लेटीनियम कमांड की संख्या बढ़ाता जाएगा और कभी न कभी हमारा इनसे स्पर्श होकर ही रहेगा!
तुम बस मेरे साथ रहो और जैसा मैं कर रहा हूं वैसा ही करते रहो!
ये तुम क्या कर रहे हो? एक 'को-ऑरडिनेट' से दूसरे 'को-आरडिनेट' पर उछल रहे हो!
हां! हर कमांड एक खास गति से हमारी तरफ आ रहा है! हमको बच-बचकर इनकी गति को इस प्रकार से सेट कर देना है कि दो कमांड आपस में ही टकरा जाएं...
... और ये तभी हो सकता है जब दो कमांड, दो तरफ से एक साथ हम तक पहुंचे!

और उसी वक्त अगर हम इन दोनों के रास्ते से हट जाएं तो दोनों कमांड आपस में ही टकरा जाएंगे, और प्लेटीनियम के सर्किटों को एक तेज झटका लगेगा!
सही कहा! पर ऐसा क्यों हुआ?
क्योंकि कंप्यूटर के सिद्धान्तों के अनुसार एक ही 'को-ऑर्डिनेट' पर दो कमांडों को एक साथ प्रोग्राम नहीं किया जा सकता! और अगर गलती से ऐसा हुआ तो कंप्यूटर के डाटा बैंक में खराबी पैदा हो सकती है! ये कुछ शॉर्ट सर्किट की तरह है!
आह! आऽऽऽह!
तू सचमुच खतरनाक दिमाग वाला मानव है! तू तो एक सुपर कंप्यूटर तक को हराने की क्षमता रखता है! पर मैं एक मेगा कंप्यूटर हूं! अब मैं तुझ पर कमांड से हमला नहीं करूंगा! बल्कि उन प्राणियों से हमला कराऊंगा जो पहले से ही मेरे कमांड में हैं!
कुछ प्राणी तेजी से हमारी तरफ आ रहे हैं! ये कैसे प्राणी हैं?
ये प्राणी नहीं बल्कि कंप्यूटर जेनेरेटेड इमेजेज हैं! वीडियो गेम के पात्रों की तरह! और इनके पास भी कुछ वैसी ही अजीबो गरीब शक्तियां होंगी! और हमारे इस डिजिटल रूप पर वे शक्तियां असर कर सकती हैं!
अब तो कोई सुपर कंप्यूटर प्रोग्रामर ही हमारी मदद कर सकता है! हमारे डिजिटल रूप के लिए नई शक्तियां प्रोग्राम करके!
पर यहां पर तो सिर्फ मौत है, प्रोग्रामर नहीं!
प्रोग्रामर है, मोर्स! ब्लैककैट! वह प्लेटीनियम के सर्किटों के जरिए परग्रहियों का ठिकाना ढूंढ़ रही है! उसको तलाशो! वह रास्ता ढूंढ़ो जो उस तक पहुंचता है! ... तब तक मैं इन प्राणियों का ध्यान बंटाने की कोशिश करता हूं!
ठीक है, ध्रुव! मैं प्लेटीनियम के सर्किटों से जुड़े किसी भी सिस्टम को पलक झपकते ही ढूंढ़ सकता हूं!

किसी इंसान के लिए खरबों रास्तों वाली उस साइबर भूल भुलैया में सही रास्ता ढूंढ़ना एक असंभव काम हो सकता था-
लेकिन मोर्सा मंगल ग्रह की एक उन्नत प्रजाति का प्राणी था। उसने ब्लैककैट तक पहुंचने का रास्ता तलाश कर लिया था-
सूचनाओं की बहती इलेक्ट्रॉनिक धारा के बहाव में उस धारा के स्रोत की तरफ बढ़ता मोर्सा शीघ्र ही मंजिल तक जा पहुंचा।
अरे! मेरी स्क्रीन पर अपने आप क्या उभर रहा है?
ब्लैक कैट! मैं मोर्सा हूं! और मेरे पास तुम्हारे लिए ध्रुव का एक अर्जेंट मैसेज है!
व्हाट!
मोर्सा ने ब्लैक कैट को पूरी स्थिति समझाने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया-
ओह! समझी! लेकिन मैं तुम्हारी बात का यकीन कैसे करूं?
यकीन करने की जरूरत नहीं है! मैं एक विंडो पर तुमको ध्रुव का हाल दिखा सकता हूं!
ओ! मैं अभी तुम दोनों की डिजिटाइज इमेजेज के लिए नई सुपर शक्तियों को प्रोग्राम करती हूं।
ध्रुव, मुसीबत में था-
ओह! इन लोगों ने मिलकर मेरी डिजिटाइज फॉर्म के अंगों को अलग-अलग कर दिया है!
इस रूप में ये मेरी जान के लिए खतरा तो नहीं है!
लेकिन अगर मैंने बचाव का कोई रास्ता जल्दी ही न ढूंढ़ा तो मुझे अनंतकाल तक इसी हालत में रहना पड़ सकता है!
लेकिन तभी-
अरे! मैं... मैं तो आग उगल रहा हूं! और ये डिजिटल इमेज उसमें जलकर भस्म हो रही है!
यानी मोर्सा ने भी अपना काम कर दिया है, और ब्लैक कैट ने भी!
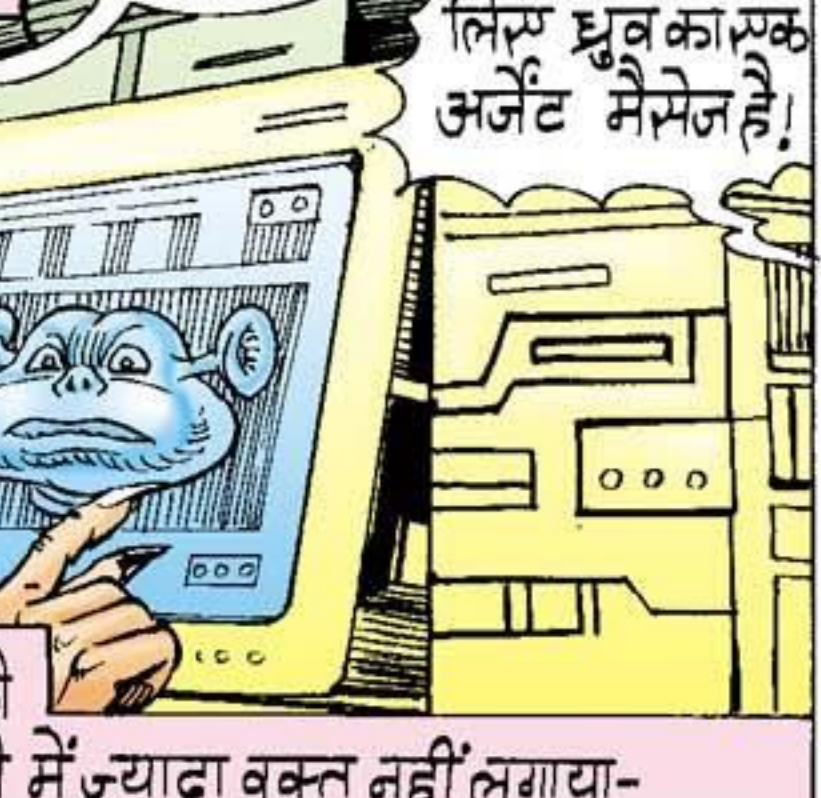
हां, ध्रुव! अब मेरी वीडियो इमेज भी तुम्हारी मदद करने के लिए तुम्हारे साथ है! मैंने इतनी देर में प्लेटीनियम के दिमाग यानी 'आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस सेक्शन' तक पहुंचने का रास्ता खोज भी लिया है, और उसके कोड को तोड़ भी लिया है! अब सिर्फ तुमको मेरी वीडियो इमेज के पीछे-पीछे आकर उस सेक्शन को नष्ट करना है! फिर सब-कुछ सामान्य स्थिति में आ जाएगा!
नहीं! वहां तक तुम कभी नहीं पहुंचोगे! मैं उससे पहले ही तुम्हारा कंट्रोल अपने हाथों में ले लूंगा!
तेरी डिजिटल छाया इस 'वायर-मेश' कैद के पार नहीं जा पाएगी! और उतनी देर में मैं अपने विज्ञान के डाटा की मदद से तुमको खत्म करने का कोई नया तरीका ईजाद कर लूंगा!
और हां! इस 'मेश' के पार निकलने की कोशिश मत करना! वर्ना तुम्हारा अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा! क्योंकि इस 'मेश' को जिन कणों से मैंने बनाया है उनमें तुम्हारे डिजिटल शरीर की विपरीत ऊर्जा भरी है! जैसे ही तुमको यह छुएगा, तुम साफ हो जाओगे!
नहीं! ध्रुव को तुम्हें नष्ट करने के लिए आजाद होना ही पड़ेगा। वायर मेश को मैं नष्ट करूंगा! चाहे मैं खुद नष्ट हो जाऊं!
मोर्सा!
विपरीत ऊर्जाएं मिलते ही 'मेश' गायब होने लगा-

कोई फायदा नहीं होगा! यहां से बाहर जाने के सभी रास्तों पर मैंने 'सिक्योरिटी ब्लॉक्स' लगा दिए हैं! कोई भी डिजिटल चीज यहां से बाहर नहीं जा सकती! मेरे 'दिमाग' तक कोई भी पहुंच नहीं पाएगा! और हां... मैंने तुम तीनों से एक साथ निपटने का रास्ता भी तलाश कर लिया है! वीडियो इमेज तक इससे नहीं बचेगी! मैं तुम तीनों के कणों को एक साथ मिलाकर उससे एक डायनासौर बनाऊंगा! डिजिटल डायनासौर! दुनिया पर छोड़ने के लिए!
इसकी ऊर्जा ने हमारे दिमागों को भी आपस में जोड़ दिया है! हम आपस में बिना बोले बात कर सकते हैं!
लेकिन उसका फायदा कुछ नहीं है, ध्रुव! प्लेटीनियम को सिर्फ इसका दिमाग नष्ट करके ही खत्म किया जा सकता है। और वहां तक हम अब पहुंच नहीं सकते!
वहां तक पहुंचना जरूरी है भी नहीं! क्योंकि प्लेटीनियम का दिमाग तो प्लेटीनियम के डिजिटल रूप में हमारे सामने है! ये नष्ट हो गया तो 'आर्टीफिशियल ब्रेन' भी अपने आप नष्ट हो जाएगा मोर्स!
समझा! लेकिन इसको हम नष्ट किस हथियार से करेंगे? यहां के तो हर पिक्सेल तक पर प्लेटीनियम का कंट्रोल है!
ये प्लेटीनियम का दिमाग है! और दिमाग को एक ही चीज खराब कर सकती है! ज्ञान की अधिकता! अभी ये हमसे जुड़ा हुआ है! हमारे दिमागों में जितनी भी इंफर्मेशन है वे सब इसके दिमाग में भरो! इतना कि ये उसको सह न पाए और फट पड़े!
तुम भूल रहे हो ध्रुव कि हमारे दिमागों में जो कुछ भी ज्ञान है उससे कई गुना ज्यादा प्लेटीनियम में पहले ही भरा है!
लेकिन हमारे पास फिलहाल ज्ञान का एक ऐसा भंडार है जो प्लेटीनियम में नहीं भरा है! मोर्स के दिमाग में भरा मंगल ग्रह के ज्ञान का भंडार!
समझ गया ध्रुव! मैं अभी मंगल ग्रह का सारा ज्ञान प्लेटीनियम में ट्रांसफर करना शुरू करता हूं जो मेरे दिमाग में भरा हुआ है!

प्लेटीनियम के यह चाल समझ पाने से पहले ही नई-नई सूचनाओं की एक बाढ़ उसके डिजिटल दिमाग से आ टकराई-

और विद्युतगति से प्लेटीनियम के सर्किटों को तोड़ करने लगीं!

प्लेटीनियम का दिमाग गुब्बारे की तरह फूलने लगा-

और सूचनाओं का बोझ न सह पाने के कारण प्लेटीनियम के सारे सर्किट फट पड़े-

प्लेटीनियम का दिमाग नष्ट हो गया था

और उसके दिमाग के नष्ट होते ही-

उसके द्वारा दुनिया में फैलाया गया, उसका सारा असर भी नष्ट हो गया-

अरे! ये बिल्डिंग तो गायब हो गई थी! फिर अपने आप वापस कैसे आ गई?

मैंने अभी-अभी इस इमारत को जमीन के अंदर से निकलते हुए देखा है!

चल झूठे!

प्लेटीनियम का सारा असर खत्म हो गया है। उसके द्वारा चुराई गई सारी चीजें भी वापस आ गई हैं! सारे इंसान भी वापस आ गए होंगे!

तुम्हारे सहयोग के बिना यह कर पाना संभव नहीं होता मोर्स! अब तुम्हारा आगे का क्या प्लान है?

फिलहाल तो तुम जैसे सच्चे मानवों से दोस्ती करने का प्लान है ध्रुव! अभी तक मैं पृथ्वी पर छुपकर अकेला रहता था!

परन्तु वर्षों बाद तुमने मुझ पर विश्वास करके मुझे अपनाया है दोस्त! वर्षों बाद किसी जीवित प्राणी से बात की है मैंने! छिपकर तो मैं अभी भी रहूंगा, पर कभी मुझे बुलाना हो तो किसी भी कंप्यूटर नेटवर्क पर सिर्फ 'मोर्स' टाइप कर देना! मोर्स आ जाएगा!

समाप्त